इंदौर, सोमवार 13 जुलाई 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 220
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

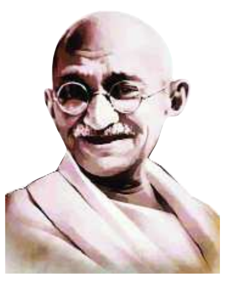

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

गौतमपुरा से 100 मीटर दूर खेत पर युवक की हत्या

पेज-2

'रक्तांचल' सीजन 3 का ट्रेलर रिलीज

पेज-5

कॉकरोच जनता पार्टी प्रमुख दीपके की इंदौर आंदोलन में एंट्री

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- बद्रीनाथ चढ़ावा चोरी में एक्शन, हिरासत में BKTC कमेटी अध्यक्ष का निजी सचिव
- दिल्ली पुलिसकर्मी ने टीचर पत्नी को गोली मारी
- मिडिल ईस्ट जंग का असर, निफ्टी 200 अंक और सेंसेक्स 668 अंक नीचे खुले
- राम मंदिर चढ़ावा चोरी : सुप्रीम कोर्ट आज चार याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगा
- पटना : खान सर की जमानत याचिका पर आज सुनवाई होगी
- बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव : नामांकन से पहले प्रशांत किशोर बाबा हरिहरनाथ मंदिर पहुंचे
- कमजोर मानसून को लेकर केंद्र की तैयारी, देशभर के किसान संगठनों से मिलेंगे कृषि मंत्री
- कतर के पूर्व अमीर शेख हमद अल थानी के निधन पर भारत में आज एक दिन का राजकीय शोक
- बैंकॉक के एक पब में लगी भीषण आग, 27 की मौत

जनता को चाहिए विकास, ना कि नेताओं की तकरार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर की राजनीति में लंबे समय से चल रही खामोश खींचतान अब सार्वजनिक मंच तक पहुंच गई है। नगर प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का मंच से महापौर पुष्यमित्र भार्गव को संबोधित करते हुए कहना— 'महापौर जी, आजकल आप हमारी बैठकों में नहीं आ रहे हैं, थोड़ा समय शहर के लिए भी निकालिए '—सिर्फ एक सामान्य टिप्पणी नहीं थी, बल्कि सत्ता के गलियारों में चल रही तल्खी का सार्वजनिक संकेत बन गई।

जिस मतभेद की चर्चा अब तक बंद कमरों में होती थी, वह अब खुले मंच से सामने आने लगी है। सवाल यह नहीं कि दोनों नेताओं के बीच रिश्ते कैसे हैं, बल्कि सवाल यह है कि इसका असर शहर के विकास पर कितना पड़ रहा है। इंदौर में एक साथ कई फ्लाईओवर, सड़क परियोजनाएं, जल निकासी, यातायात और

अक्षय की बात
अपनो के साथ

आधारभूत सुविधाओं के काम अधूरे पड़े हैं। जनता रोज जाम, धूल, टूटी सड़कों और प्रशासनिक सुस्ती से जूझ रही है। ऐसे समय यदि सत्ता के शीर्ष चेहरे ही अलग-अलग दिशा में खड़े दिखाई दें तो संदेश भी अच्छा नहीं जाता। सबसे बड़ा सवाल यह है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं इंदौर के प्रभारी हैं। इसके बावजूद यदि मंत्री और महापौर के बीच समन्वय की कमी सार्वजनिक रूप से दिखाई दे रही है तो आखिर जिम्मेदारी किसकी है?

क्या शहर के विकास से ज्यादा अहम अब राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई हो गई है?

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि किसी भी बड़े शहर का विकास तभी संभव है जब सरकार, जनप्रतिनिधि और प्रशासन एक दिशा में काम करें। यदि मंचों पर ही एक-दूसरे को संदेश दिए जाने लगें तो यह संकेत है कि अंदरखाने सब कुछ सामान्य नहीं है।

जनता को इस बात से कोई सरोकार नहीं कि किसका राजनीतिक कद बड़ा है और किसकी बात ज्यादा सुनी जा रही है। जनता सिर्फ इतना चाहती है कि अधूरे काम पूरे हों, ट्रैफिक कम हो, सड़कें सुधरें और शहर की विकास गति वापस पटरी पर आए।

इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर कहलाता है, लेकिन अब उसे सबसे बेहतर समन्वय वाला शहर बनने की भी जरूरत है। क्योंकि जब सत्ता के शीर्ष चेहरे अलग-अलग संदेश देंगे, तो विकास की दिशा भी बिखरती हुई नजर आएगी। राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन उनकी कीमत शहर और उसकी जनता को नहीं चुकानी चाहिए।

तीखे सवाल

- *क्या इंदौर का विकास अब राजनीतिक अहंकार की भेंट चढ़ रहा है?*
- *क्या मंत्री और महापौर के बीच समन्वय की कमी का नुकसान शहर भुगत रहा है?*
- *क्या सार्वजनिक मंच से दिया गया संदेश भीतर की बड़ी नाराजगी का संकेत है?*
- *क्या मुख्यमंत्री को अब इस पूरे मामले में हस्तक्षेप कर समन्वय स्थापित करना चाहिए?*

तबादलों के बाद भी नहीं मिला चार्ज, प्रभारियों के भरोसे तहसीलें

सैकड़ों किसानों के मामले पड़े हैं पेंडिंग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

देपालपुर • मप्र शासन द्वारा डिप्टी कलेक्टरों के तबादलों के बाद इंदौर जिले की चार तहसीलों में अभी तक किसी अधिकारी को चार्ज नहीं दिया गया है। ऐसे में सांवेर, देपालपुर, खुड़ैल और राऊ तहसीलें प्रभारी एसडीएम के भरोसे चल रही हैं।

बड़ी तहसीलों में विशेष रूप से देपालपुर व मंत्री सिलावट के क्षेत्र सांवेर, राऊ, खुड़ैल जैसी तहसीलें बिना एसडीएम के अन्य प्रभारी अधिकारियों के भरोसे में चल रही हैं। प्रभारी अधिकारियों को अन्य जगह काम संभालने से तहसील मुख्यालय पर जाने का समय नहीं मिल रहा है। वर्तमान समय में बारिश का दौर है। कहीं तेज वर्षा होने से बाढ़ की स्थिति बन सकती है तो कहीं तालाबों के निरीक्षण जैसे कार्य महत्वपूर्ण हैं। वहीं दूसरे पहलू पर बात करें तो अधिकारियों को अभी से क्षेत्र में भेजने से उनको भौगोलिक परिस्थितियां जानना जरूरी होगा। इंदौर कलेक्टर ऑफिस में कई अधिकारी अपनी जॉइनिंग दे चुके हैं, परंतु कलेक्टर द्वारा अभी तक इन्हें क्षेत्र (तहसीलें) वितरण नहीं किया गया है।

पेंडिंग पड़े हैं सैकड़ों केस देपालपुर तहसील का चार्ज हातोद एसडीएम विनोद राठौर को दिया गया है, परंतु उन्हें भी दो तहसीलों के प्रभार होने से देपालपुर आने का समय नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में सैकड़ों किसानों के मामले पेंडिंग पड़े हैं। खासकर खेतों की मेड़ों, खेतों के पानी की निकासी, अपीलें जैसे सुनवाई को लेकर कई मामले लंबित पड़े हैं। यदि इन मामलो में निराकरण जल्द नहीं होंगे तो किसानों में विवाद की स्थिति निर्मित होगी।

दतिया का चुनाव प्रत्याशी के भरोसे छोड़ जीतू पटवारी करेंगे साइकिल यात्रा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • नीट यूजी की परीक्षा, सीबीएसई एग्जाम में गड़बड़ी पेपर लीक बेरोजगारी जैसी समस्याओं को लेकर एमपी कांग्रेस इंदौर से भोपाल तक साइक्लोथॉन यानी साइकिल यात्रा निकालने जा रही है। एमपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी खुद इस पूरी यात्रा का नेतृत्व करते हुए साइकिल चलाते हुए दो दिनों में इंदौर से भोपाल तक का सफर तय करेंगे।

इंदौर में ऋह्ज्ञ मार्ग से शुरू होगी यात्रा : 14 जुलाई को सुबह करीब 8 बजे इंदौर के डीएवीवी के करीब RNT (रवीन्द्र नाथ टैगोर) मार्ग से यात्रा शुरू होगी। इंदौर में एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स का यह सबसे बड़ा सेंटर है। कांग्रेस यहां से छात्रों की समस्याओं और सरकार की अव्यवस्थाओं के कारण हो रहे पेपर लीक को लेकर बड़ा संदेश देगी।

हर जिले में 500 साइकिल यात्री जुड़ेंगे : इंदौर से भोपाल तक रास्ते में पड़ने वाले हर जिले से 500 साइकिल यात्री इस यात्रा में जुड़ेंगे। इंदौर, देवास, सीहोर और भोपाल जिले को मिलाकर दो हजार से ज्यादा साइकिल यात्रियों के साथ जीतू पटवारी भोपाल पहुंचेंगे।

स्थाई साइकिल यात्रियों की लिस्ट बन रही : इंदौर से लेकर भोपाल तक जीतू पटवारी के साथ आने वाले स्थाई साइकिल यात्रियों की लिस्ट बन रही है। इंदौर के साइकिल रेसर ग्रुप, फिटनेस क्लब के मेंबर्स भी इस यात्रा में साथ आएंगे।

आष्टा में होगा रात्रि विश्राम : इंदौर से चलने के बाद पहले दिन की यात्रा का विश्राम सीहोर जिले के आष्टा कस्बे के गोकुलधाम मैरिज गार्डन में होगा। इसके अगले दिन यानी 15 जुलाई को कोठरी कस्बे से फिर साइकिल यात्रा शुरू होगी।

आज दतिया में भरेंगे दोनों प्रत्याशी नामांकन

नरोत्तम मिश्रा भी होंगे भाजपा के स्टार प्रचारक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

दतिया • दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए सोमवार को नामांकन का अंतिम दिन राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का बड़ा मंच बनेगा। भाजपा और कांग्रेस ने प्रत्याशियों के नामांकन को प्रतिष्ठा का विषय बना लिया है। इसी वजह से दोनों दलों के शीर्ष नेता एक ही दिन दतिया पहुंच रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार की मौजूदगी से चुनावी मुकाबला हाई-प्रोफाइल हो गया है। उपचुनाव के लिए भाजपा के स्टार प्रचारकों की सूची भी सामने आई है। इसमें मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और संगठन के बड़े नेताओं को शामिल किया गया है। पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का नाम भी लिस्ट में है। हालांकि, सोशल मीडिया पर वायरल एक अन्य सूची में नरोत्तम का नाम नहीं दिखाया जा रहा है।

घनश्याम सिंह सुबह 11 बजे नामांकन दाखिल करेंगे-कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर घनश्याम सिंह सुबह 11 बजे नामांकन दाखिल करेंगे। इसके बाद दोपहर 3 बजे रिंग रोड स्थित भैरव मंदिर के पास आमसभा होगी। सभा को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार संबोधित करेंगे। इसके बाद भैरव मंदिर से किला चौक तक रोड शो निकाला जाएगा।

नामांकन बना सियासी ताकत दिखाने का मंच-दोनों दलों ने नामांकन को औपचारिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे चुनावी ताकत दिखाने का अवसर बनाया है। भाजपा सरकार और संगठन की ताकत के साथ मैदान में उतर रही है, जबकि कांग्रेस संयुक्त नेतृत्व के जरिए कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ाने की तैयारी में है।

जिनकी समग्र आईडी प्रदेश की, उन्हें ही मिलेगी यूनिफार्म

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • स्कूल शिक्षा विभाग का नया शैक्षणिक सत्र शुरू हुए काफी समय हो गया है, लेकिन अभी तक बच्चों को स्कूल यूनिफार्म नहीं मिल सकी है। इस बार ऐसे छात्रों को स्कूल यूनिफार्म नहीं मिलेगी, जिनका समग्र आईडी नहीं बना है और बना है तो आधार से लिंक होना जरूरी है। फिलहाल विद्यालय व विकासकंड स्तर पर वेरिफिकेशन का कार्य चल रहा है।

अप्रैल माह में नया शिक्षण सत्र शुरू हो गया था, फिर स्कूलों का ग्रीष्म कालीन अवकाश खत्म होकर लगभग एक माह पूर्व फिर कक्षाएं शुरू हो गई। लेकिन लंबा वक्त बीतने के बाद भी स्कूली छात्रों को यूनिफार्म नहीं मिल पाया है। इस बार सरकार ने विद्यार्थियों को नकद राशि देने के बजाय सीधे सिली-सिलाई यूनिफॉर्म देने का फैसला किया है, लेकिन जमीनी स्तर पर कछुआ गति से चल रही तैयारियों के कारण बच्चों को तैयार ड्रेस मिलने में अभी और लंबा समय लग सकता है। वर्तमान में स्कूलों में विद्यार्थियों के वेरिफिकेशन का काम चल रहा है। संकुल प्राचार्यों, प्राचार्यों, बीआरसी व शिक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे उन पात्र बच्चों की कक्षा, उम्र और संख्या को शिक्षा पोर्टल पर दर्ज करें, ताकि उसी आधार पर यूनिफॉर्म का साइज और संख्या तय की जा सके। जिला परियोजना समन्वयक संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि आदेशानुसार इस बार बच्चों को सिली-सिलाई यूनिफॉर्म दी जाना है। इस बार सिर्फ जिनकी समग्र आईडी प्रदेश की है उन्हें ही यूनिफार्म मिलेगी। अन्य प्रदेश की समग्र आईडी वाले छात्रों को यूनिफार्म नहीं दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने सत्र की शुरुआत में घोषणा की थी कि इस बार सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को रेडीमेड (सिली-सिलाई) यूनिफॉर्म दी जाएगी।

20 मीटर गहरा साफ्ट तैयार, शहर में पहली बार हो रहा काम

एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन पर बनेगी अंडरग्राउंड सुरंग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में जल्द ही मेट्रो ट्रेन कार्पोरेशन द्वारा भूमिगत ट्रेन चलाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए एयरपोर्ट पर अंडरग्राउंड सुरंग बनाने का काम शुरू किया जाएगा। शहर में पहली बार इस तरह की सुरंग का निर्माण हो रहा है। इस सुरंग के लिए 20 मीटर गहरा शाफ्ट तैयार किया गया है। इस अंडरग्राउंड का एलिवेटेड से मिलान होगा। शाफ्ट का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। अब मशीन के इंदौर पहुंचने का इंतजार है। मशीनों से फैक्ट्री में सभी तकनीकी परीक्षण पूरे कर लिए गए है। मशीन के इंदौर पहुंचने के बाद शाफ्ट में उतारकर असेंबल किया जाएगा। यदि सभी तैयारियां समय पर पूरी रही तो अगले माह अगस्त में सुरंग खोदने का काम शुरू होने की संभावना है।

एयरपोर्ट से स्टेशन एलिवेटेड और अंडरग्राउंड दोनों कारीडोर का जंक्शन भी होगा। इसी कारण यहां दो अलग-अलग रैंप बनाए जा रहे हैं। मेट्रो को भूमिगत ट्रेक पर उतारने के लिए लगभग 170 मीटर लंबा रैंप तैयार होगा, जबकि अंडरग्राउंड हिस्से से एलिवेटेड ट्रेक पर वापस लाने के लिए करीब 180 मीटर लंबा दूसरा रैंप बनाया जाएगा।

दोनों रैंप स्टेशन से सीधे जुड़ सकेंगे, जिससे मेट्रो का संचालन बिना किसी रूकावट हो सकेगा। टीवीएम लांचिंग भी एयरपोर्ट स्टेशन और टीवीएम लॉचिंग का यह कार्य मेट्रो परियोजना के सबसे महत्वपूर्ण चरणों में माना जा रहा है। क्योंकि, इसी के साथ शहर में पहली बार अंडरग्राउंड मेट्रो सुरंग निर्माण की शुरुआत होगी।

अमेरिका ने ईरान में 140 ठिकानों पर हमले किए

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी) • अमेरिका ने रविवार को ईरान में 140 ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। ये हमले किश्म, सीरिक, बंदर अब्बास, जास्क, बुशेहर, खोंदाब, बंदर महशहर, बेहबहान, अंदीमेश्क, देजफुल, अहवाज, अबादान और खुर्रमशहर जैसे इलाकों में किए गए।

इसके जवाब में ईरान ने सोमवार को कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले का दावा किया। IRGC के मुताबिक, कुवैत के अली अल-सलेम एयरबेस पर ईंधन टैंक और पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया गया। साथ ही अहमद अल-जाबेर एयरबेस के रडार सिस्टम पर भी हमला किया गया।

इससे पहले IRGC ने बहरीन के शेख ईसा एयरबेस पर भी हमले का दावा किया था। संगठन के अनुसार, वहां हेलिकॉप्टर रखरखाव केंद्र, P-8 विमान के हैंगर और अमेरिकी सेना के ड्रोन कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को निशाना बनाया गया।

अधूरी तैयारियों के बीच कैसे शुरू होगा जिला अस्पताल!

■ उद्घाटन में 6 दिन बाकी, फर्नीचर गायब, पानी की व्यवस्था नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • धार रोड स्थित 300 बिस्तरीय जिला अस्पताल का 18 जुलाई को शुभारंभ होना है, लेकिन अस्पताल की मौजूदा स्थिति देखकर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या प्रशासन अधूरी तैयारियों के बीच केवल फीता काटने की जल्दबाजी में है। उद्घाटन में महज आठ दिन शेष हैं, जबकि अस्पताल में कई बुनियादी सुविधाएं तक पूरी नहीं हो पाई हैं।

अस्पताल के कई हिस्सों में अभी भी निर्माण और फिनिशिग का काम जारी है। जगह-जगह फ्लोर पॉलिशिंग और मरम्मत का काम चल रहा है। मौके पर सीमित संख्या में मजदूर काम करते दिखाई दिए। जिस गति से काम चल रहा है, उससे तय समय तक

सभी कार्य पूरे होना मुश्किल नजर आता है। यदि काम पूरा करना है तो मजदूरों की संख्या बढ़ानी होगी और युद्धस्तर पर तैयारियां करनी होंगी।

पानी की व्यवस्था भी नहीं- मरीजों और परिजनों के लिए पीने के पानी की स्थायी व्यवस्था अभी तक दिखाई नहीं दी। दोपहर 2 बजे तक एक सामाजिक संस्था पानी की केन उपलब्ध कराती है, लेकिन उसके बाद लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ता है। अस्पताल में 10 वॉटर प्यूरिफायर लगाने की अनुमति दी जा चुकी है, लेकिन मौके पर उनकी व्यवस्था नजर नहीं आई। ऐसे में सवाल यह है कि क्या जिला अस्पताल का अस्पताल में अभी तक जरूरी फर्नीचर नहीं पहुंचा है। मरीजों के बैठने, वार्डों और अन्य विभागों के संचालन के लिए आवश्यक नहीं हैं। ऐसे में उद्घाटन के बाद अस्पताल सुचारू रूप से कैसे चलेगा, यह बड़ा सवाल है।

न्यूज ब्रीफ

हॉकी अंपायर व तकनीकी अधिकारी, कोचिंग वर्कशॉप 26 से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हॉकी इंदौर एसोसिएशन के अध्यक्ष व विधायक रमेश मेदोला व सचिव किशोर शुक्ला ने बताया कि हॉकी इंडिया के तत्वावधान मे 26 जुलाई से 28 जुलाई तक जबलपुर मे हॉकी अंपायर, तकनीकी अधिकारी एंव हॉकी कोचिंग वर्कशॉप हॉकी मध्यप्रदेश के महासचिव श्री लोक बहादुर जी के मार्गदर्शन मे आयोजित की गई है! हॉकी अंपायर ,तकनीकी व कोचिंग वर्कशॉप मैं वही खिलाडी भाग ले सकते है जिन्होंने हॉकी इंडिया नेशनल हॉकी चैंपियनशिप व नेशनल गेम्स मे भाग लिया है अथवा आल इंडिया यूनिवर्सिटी हॉकी जोनल मे कम से कम दो बार भाग लिया हो या खेलो इंडिया यूथ गेम्स, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स मे भाग लिया है अंपायर व तकनीकी अधिकारी एंव कोचिंग के लिए आयु 35 वर्ष से कम होना चाहिए।

एक दिवसीय शतरंज स्पर्धा 19 जुलाई को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंटरनेशनल ऑर्बिटर एवं इंस्ट्रक्टर आयोजन सचिव सुनील सोनी एवं स्पर्धा समन्वयक वीरेंद्र मुछाल ने बताया की यूनाइट इंदौर चेस क्लब एवं श्री वैष्णव स्पोर्ट्स एकेडमी इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में श्री क्लॉथ मार्केट वैष्णव हायर सेकंडरी स्कूल के सभागृह में आयोजित की जा रही यह एक दिवसीय 'इंटरनेशनल चेस डे ट्रॉफी' शतरंज स्पर्धा 19 जुलाई को इंदौर के जवाहर मार्ग, राजमोहल्ला स्थित स्कूल सभागृह परिसर में खेली जाएगी। तीनों वर्गों के स्पर्धा के संचालक कमल वर्मा, गजानन उन्डे एवं टी. आर. सिलावट ने बताया कि इस स्पर्धा में 2006 एवं उसके बाद जन्मा कोई भी बालिका या बालक खिलाड़ी 10, 15 एवं 20 वर्ष आयु वर्गों में अपने आयु वर्ग अनुसार भाग ले सकता है। स्पर्धा में सभी आयु वर्गो में प्रथम 10 स्थानों पर आने वाले बालक एवं बालिका खिलाड़ियों को 5 हज़ार, 3 हज़ार, 2 हज़ार जैसी नगद पुरस्कार राशि, ट्रॉफी, मेडल्स एवं सर्टिफिकेट तो वही यंगेस्ट बालक एवं बालिका को भी शानदार ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा।

प्रह्लाद पटेल और कैलाश विजयवर्गीय की राम-लक्ष्मण की जोड़ी-मुख्यमंत्री

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पीएम नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत इंदौर में वृक्षारोपण कार्यक्रम होगा। इस बार शहर में 21 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा इस पर 12 जुलाई रविवार को बुढ़ानिया बीएसएफ रेंज में कार्यक्रम रखा गया। इसका शुभारंभ सीएम डॉ. मोहन यादव के साथ ही प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, मंत्री प्रह्लाद पटेल, मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, संभागीय प्रभारी रणवीर रावत, कृष्णमुरारी मोघे, विधायकगण व अन्य ने किया।

इस अभियान को लेकर सीएम मोहन यादव ने कहा कि इंदौर को क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी बनाया जा रहा है। प्रह्लाद भाईसाहब और कैलाश भाईसाहब की जोड़ी राम-लक्ष्मण की तरह अमर है।

इनके साथ ही त्रिवेणी की तरह मंत्री तुलसीराम सिलावट हमारे हर कदम के साथ है। सीएम ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के पुत्र आकाश को भतीजा कहकर संबोधित किया। इस आयोजन के लिए बधाई दी।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस दौरान कहा कि महापौर (पुष्यमित्र भार्गव) जी आजकल मेरी बैठकों में नहीं आते हैं, काफी व्यस्त रहते हैं। वहीं बीएसएफ के दो जवानों को नक्सल रोकने कि लिए सम्मानित किया गया।

महापौर भार्गव ने कहा कि हरियाली को लेकर लगातार अभियान चल रहा है। पहले 12.40 लाख पौधे लगाए इस बार लक्ष्य 21 लाख का रखा गया है। जल संचयन के लिए जो सीएम ने क्रांति शुरू की है इसके तहत इंदौर में भी काम हो रहा है।' एक पेड़ मां के नाम' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक वृक्षारोपण अभियान है। इस अभियान में लोगों से अपनी मां के सम्मान और प्रकृति की रक्षा के संकल्प के रूप में एक पेड़ लगाने की अपील की गई है। इसका उद्देश्य देशभर में बड़े स्तर पर पौधारोपण को बढ़ावा देना और पर्यावरण संरक्षण में लोगों की भागीदारी बढ़ाना है।

मालवा निमाड़ में वित्त वर्ष के दौरान अब तक 975 करोड़ यूनिट बिजली वितरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बिजली वितरण कंपनी ने मालवा निमाड़ क्षेत्र में जारी वित्त वर्ष में अब तक छ975 करोड़ यूनिट से ज्यादा बिजली आपूर्ति की है, गत वर्ष समान अवधि में 880 करोड़ यूनिट बिजली वितरण हुआ था। इस तरह 1 अप्रैल 2026 से अब तक करीब 11 प्रतिशत अधिक बिजली आपूर्ति की गई है। इधर शहर में जून के बाद जुलाई में भी बिजली की अपेक्षाकृत अधिक मांग दर्ज हो रही है। जून माह में शहर में 40 करोड़ यूनिट से ज्यादा बिजली का वितरण हुआ था। यह गत वर्ष से दस प्रतिशत ज्यादा रहा। जून के माह में कई दिन बिजली मांग पौने सात सौ मैगावाट के आसपास रही। वहीं सबसे ज्यादा बिजली खपत 11 जून को 1 करोड़ 53 लाख यूनिट रही। सबसे कम बिजली मांग वाले दिन 1,2 जून व 24 जून रहे। इस तरह जून मासांत तक शहर की कुल बिजली खपत 40 करोड़ यूनिट के पार रही थी। इधर जुलाई के डेढ़ सप्ताह के दौरान भी शहर में बिजली मांग की अधिकता रही, इस दौरान करीब चौदह करोड़ यूनिट आपूर्ति हुई, सर्वाधिक मांग 550 मैगावाट रही, सर्वाधिक दैनिक खपत 7 जुलाई को 1.25 करोड़ यूनिट दर्ज की गई।

बिजली उपभोक्ता अनजान लिंक, मैसेज, क्क्च फाइल को पूर्ण रूप से नजरंदाज करें

इंदौर। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से अधिकृत संदेश पर ही ध्यान देने व अनजान मोबाइल नंबर से आए संदेशों, फाइल, वाट्सएप फाइल को लेकर अत्यंत सावधानी रखने की अपील की हैं। कंपनी ने कहा कि कंपनी वाट्सएपर बिल किसी नंबर की बजाए द्वश्चश्च्य11ष्य द्वङ्घस्रश्ह्द्ग नाम से और अधिकृत एसएमएस द्वश्चह्यद्वङ्घ2-स नाम से भेजती हैं, इसी तरह के मैसेज पर ध्यान दिया जाए। अन्य नंबरों से आए मैसेज, वाट्सएप व क्क्च फाइल को पूरी तरह फर्जी मानकर नजरंदाज किया जाए। फर्जी संदेश, लिंक, क्क्च फाइल से आपका मोबाइल तुरंज हैक हो जाएगा, मोबाइल की कमांड फर्जी व्यक्तियों के पास तुरंत पहुंचा जाएगी, व आपका बैंक बैलेंस, डाटा चुरा लिया जाएगा। कंपनी ने सम्माननीय उपभोक्ताओं से सतर्क रहना का विनम्र निवेदन किया हैं। कंपनी ने कहा कि आप अपने बिजली बिल जोन, वितरण केंद्र, पेटीएम, फोन पे, गुगल पे, भारत पे, कंपनी वेबसाइट द्वश्च25.ष्द्गठ्ठ, ऋद्वस्एप के माध्यम से जमा कर सकते हैं। किसी नंबर विशेष पर कभी भी भुगतान नहीं किया जाए।

नाना पटवारी केस: मिस्ट्री गर्ल-ऑनलाइन गेमिंग की एंट्री से उलझा मामला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई कुलभूषण उर्फ नाना पटवारी के ड्रग केस में नए-नए चैप्टर जुड़ रहे हैं। दो बार पूछताछ हो चुकी है। मिस्ट्री गर्ल की एंट्री भी हुई जिससे पुलिस और खुद नाना पल्ला झाड़ रहे हैं। जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी से पुलिस ने एक बार फिर शनिवार, 11 जुलाई को चार घंटे तक लंबी पूछताछ की। इस दौरान ड्रग पैडलर से आमना-सामना कराया।

पैडलर ने कहा कि नाना को ही ड्रग देने जा रहे थे, वहीं नाना ने इससे इन्कार किया। अब पुलिस उनके बैंक खातों की डिटेल और मनी ट्रेल भी देख रही है कि कहां कैसे लेन-देन हुआ।

वहीं एक युवती के बयान की भी बात कही जा रही है। उधर एक अन्य युवती (मिस्ट्री गर्ल) शनिवार को सामने आई और उसने दावा किया कि नाना तो बहुत अच्छे इंसान हैं और शराब भी नहीं पीते हैं। बुधवार को पुलिस ने इरफान खान उर्फ गोलू चंदेरी और रौनी भाई उर्फ संजय कौशल को पकड़ा। इनके पास 10.80 ग्राम ब्राउन शुगर थी। पुलिस ने कहा कि यह ड्रग नाना पटवारी को सप्लाई होना थी। नाना को गुरुवार को सनशाइन फार्म हाउस से सुबह साढ़े नौ से दस बजे के बीच में पुलिस ने पकड़ा था। साथ में मानव गंगवानी भी थे। दिन भर पूछताछ के बाद गुरुवार रात को ही छोड़ दिया गया था। नाना को उठाने के बाद से ही राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस और जीतू पटवारी खुलकर नाना के बचाव में आए और इसे बीजेपी सरकार की बदले की राजनीति कहा।

वहीं शुक्रवार सुबह नाना और जीतू ने इंदौर में घर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। नाना ने कहा कि मुझे फंसाया जा रहा है, मैं दोनों को जानता हूं लेकिन ड्रग नहीं ली, मैं तो तीन साल पहले ही ड्रग छोड़ चुका हूं और ड्रिंक भी नहीं करता। जीतू ने फिर राजनीतिक बदले के आरोप लगाए। इसी दौरान पुलिस ने शुक्रवार, 10 जुलाई को एक युवती के बयान लिए। इसमें नए आरोप लगे कि नाना तो युवतियों को ड्रग की लत लगाता है और शोषण करता है।

चाय की चौपाल लगाकर करेंगे मोहल्ला समिति का गठन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने बताया है कि कांग्रेस संगठन की मजबूती एवं आगामी नगर निगम विधानसभा लोकसभा चुनाव के मद्देनजर रखते हुए मैदानी स्तर पर एवं सक्रिय करने के लिए कांग्रेस पार्टी से जोड़ने हेतू घर बैठे कांग्रेसियों को सम्मान देने एवं कांग्रेस पार्टी से जोड़ने के लिए मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र द्वारा खुले मैदान बस्तीयों मोहल्ला वार्ड स्तर पर या फिर पुराने कांग्रेसियों के निवास के बहार खुले में चाय की चौपाल लगाकर मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र में पदाधिकारी एवं सदस्य बनाए जाएंगे एवं मोहल्ला समितियों का गठन भी कांग्रेस मजबूती के लिए किया जाएगा। यादव ने बताया है की आज इसकी शुरुआत विधानसभा दो मैं परदेशीपुरा क्षेत्र में खुले स्थान पर चाय की चौपाल लगाकर जहां कांग्रेस के वरिष्ठ पुराने नेता श्री सुभाष यादव को मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया वही 25 सदस्य मोहल्ला समिति का गठन कर कांग्रेस पार्टी से जोड़ा गया और चाय की चौपाल में कई पुराने घर बैठे कांग्रेस जनों को बुलाया गया था सभी से कहा गया की आप सभी के सम्मान में कोई कमी नहीं रखी जायेगी और उनसे कांग्रेस पार्टी में सक्रिय भूमिका रहने का भी अनुरोध किया गया। यादव ने कहा है की इस तरीके का अभियान हर विधानसभा के मोहल्ले ब्लॉक वार्ड मोहल्ले बस्तीयों कालोनीयों गलियों स्तर पर आयोजित किया जाएगा जिससे घर बैठे कांग्रेसियों एवं युवाओं को कांग्रेस पार्टी से जोड़ने हेतू मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र में पदाधिकारी बनाया जाएगा।

MPPSC असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा में हिजाब-कलावा की जांच होगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एमपीपीएससी द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा-2025 में पहले चरण का आयोजन आज यानी 12 जुलाई को किया जा रहा है। इसके पहले संभागायुक्त ने तैयारियों को लेकर बैठक की और हिजाब, कलावा जैसे धार्मिक प्रतीकों पर निर्देश दिए हैं।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा-2025 में पहले चरण का आयोजन आज यानी रविवार, 12 जुलाई को किया जा रहा है। परीक्षा इंदौर शहर के 13 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। इसमें पांच हजार 710 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े के निर्देशन में परीक्षा के सुचारु एवं निष्पक्ष संचालन के लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, स्मार्ट व डिजिटल घड़ी, ब्लूटूथ, कैलकुलेटर, पेन ड्राइव, ईयरफोन तथा अन्य किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूर्णत: प्रतिबंधित रहेंगे। इसके अलावा पेंसिल, रबड़, शार्पनर, स्केल, बेल्ट, पर्स, वॉलेट, धूप का चश्मा, कफलिंक, हाथ में धातु या चमड़े के बैंड तथा अन्य प्रतिबंधित सामग्री भी परीक्षा कक्ष में ले जाना वर्जित रहेगा। अभ्यर्थियों को जूते-मोजे पहनकर परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी, जबकि चप्पल या सैंडल पहनकर प्रवेश किया जा सकेगा।

हिजाब, कलावा को लेकर यह आदेश

परीक्षा को लेकर निर्देश दिए गए हैं कि हिजाब, पगड़ी, कलावा, ताबीज एवं अन्य धार्मिक प्रतीकों का सम्मानपूर्वक परीक्षण किया जाएगा। वहीं, उन्हें हटाने या क्षति पहुंचाने की अनुमति नहीं होगी। अभ्यर्थियों को केवल ई-प्रवेश पत्र, वैध फोटो पहचान पत्र, निर्धारित स्याही का पेन, पारदर्शी पानी की बोतल तथा प्रवेश पत्र में अनुमत सामग्री ही साथ लाने की अनुमति होगी। दिव्यांग अभ्यर्थी अपनी आवश्यकता अनुसार आयोग द्वारा मंजूरी प्राप्त सामग्री साथ ला सकेंगे।

पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ बंजारा समाज ने किया वृहद पौधारोपण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जागरूकता के संकल्प के साथ 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत बंजारा समाज ने सैकड़ों की संख्या में उपस्थित होकर वृहद पौधारोपण किया। बंजारा समाज के मीडिया प्रभारी रमेश चंद्र राठौर ने बताया कि देश के यशस्वी एवं लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर इंदौर जिले में 21 लाख पौधारोपण महाअभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में बीएसएफ परिसर, बुडानिया गांव में पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया गया।

मां की तेरहवीं पर 2 लाख 81 हजार रुपए कड़छा ट्रस्ट, सेवाभारती एवं गौशाला को समर्पित किए

दैनिक इंदौर संकेत

गौतमपुरा ● मां का स्थान जीवन में सर्वोपरि होता है। मां की स्मृति में किया गया सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणा बनता है। इसी भाव से दामोदर वंशीय जूना गुजराती दर्जी समाज कड़छा ट्रस्ट के ट्रस्टी अशोक सोलंकी भाई गणेश सोलंकी पिता बाबूलाल जी सोलंकी गौतमपुरा द्वारा अपनी माता स्वर्गीय श्रीमती धापू बाई सोलंकी की 13 वीं के अवसर पर कड़छाट्रस्ट, सेवा भारती, गौशाला एवं ब्राह्मणदेव का पूजन कर,दान देकर, अनुकरणीय पहल की। 13 वीं कार्यक्रम के दौरान कल 2 लाख 81 हजार रुपए की दानराशि सेवा कार्य के लिए समर्पित की। कड़छा ट्रस्ट अध्यक्ष श्री अमित चौहान को 251000/- सेवा भारतीय मालवा प्रांत के कार्यकारिणी सदस्य श्री सोहनलाल परमार को 5100/- एवं गौशाला गौतमपुरा,देपालपुर,गिरोता, छड़ौदा एवं चित्तौडा को क्रमश: 5100/- 5100/- की दानराशि भेट की।

एमपी ट्रांसको के सहायक अभियंता प्रशिक्षुओं को ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस का व्यावहारिक प्रशिक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा प्रशिक्षणरत चार सहायक अभियंताओं (ट्रेनी असिस्टेंट इंजीनियर) को 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन के अनुरक्षण (मेंटेनेंस) कार्य का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान फ्लैशओवर से प्रभावित डिस्क इंसुलेटर के प्रतिस्थापन (रिप्लेसमेंट) के लिए लिए गए शटडाउन कार्य का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया गया।

राजवाड़ा से उदासीन आश्रम तक उमड़ा आस्था का सैलाब प्राकृताचार्य सुनीलसागर का ऐतिहासिक भव्य मंगल प्रवेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मां अहिल्या की धर्म नगरी इंदौर रविवार को धर्ममय हो उठी। चतुर्थ पट्टाचार्य एवं प्राकृताचार्य आचार्य श्री 108 सुनीलसागरजी महाराज का संघस्थ 38 मुनिराजों एवं आर्यिका संघ के साथ ऐतिहासिक मंगल प्रवेश हुआ। रियासतकालीन राजवाड़ा परिसर में हजारों श्रद्धालुओं ने बैंड-बाजों और जयघोष के बीच आचार्य की अगवानी की। इसके बाद राजवाड़ा से उदासीन आश्रम तक निकली भव्य शोभायात्रा में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। राजेश जैन दद्दू ने बताया कि चातुर्मास कमेटी के मुख्य संयोजक इंद्रकुमार वीणा सेठी,कैलाश लुहाड़िया, डॉ जैनेन्द्र जैन डॉ गिरिश पाटोदी प्रदीप बड़जात्या एवं महिला परिषद् की संभाग अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन सहित समाज के अनेक पदाधिकारी और श्रद्धालु उपस्थित रहे। राजवाड़ा पहुंचने पर आचार्य श्री ने मां अहिल्याबाई होलकर का स्मरण किया और श्रद्धालुओं को धर्म संदेश दिया।

गौतमपुरा से 100 मीटर दूर खेत पर युवक की हत्या

मृतक बाबू राठौर के चेहरे पर कही वार किए गए

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

गौतमपुरा के बछोड़ा रोड़ पर 42 वर्षीय व्यक्ति बाबू राठौर की दिल को झकझोर करदेने वाली हत्या का मामला हुआ जिससे नगर में सनसनी का माहौल हे। रविवार को नगर के बछोड़ा रोड पर मुख्य मार्ग से 100 मीटर दूर खेत में एक व्यक्ति की लाश पड़ी होने की सूचना सुबह 10 बजे करीब गौतमपुरा पुलिस को मिली एएसआई नागेंद्रसिंह भदौरिया के साथ पुलिस बल मौके पर पहुंची तो शव की हालत काफी गंभीर थी जिसका चेहरा पूरी तरह मारा मार कर खराब कर दिया था, थोड़ी देर आसपास पूछताछ करने के बाद मृतक की शिनाख्त बाबू खर्चीलाल राठौर निवासी धोबी मोहल्ला गौतमपुरा उम्र 42 वर्ष नाम से हुई पुलिस ने जिसकी सूचना परिजनों को दी । इधर पुलिस को शव के पास से खून से सना लोहे का एंगल भी मिला जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा ही कि युवक को हत्यारे ने उसी लोहे की एंगल से चहरे पर बार बार मार मार कर मौत दी हे, बाबू के दांत भी शव से 3 से 4 फिट की दूरी पर टूटे हुवे मिले वही चहरे पर वार इतनी बार किया गया था कि चहरा पहचान में न आ सके, मृतक की पैंट से बेल्ट भी निकला पड़ा था जो टूटा हुआ था जिससे यह भी प्रदर्शित हुआ कि मारने में बेल्ट का भी उपयोग किया हे वही मौके पर बीड़ी, माचिस, शराब की देसी क्वाटर भी प्राप्त हुई हे । जिस हिसाब से शव मिला उससे यह लगा कि आरोपी ने निर्दय रूप से बाबू का मर्डर किया हे।

शव वाहन न होने से परिजन ओर पुलिस को हुई बड़ी परेशानी-इधर परिजन मौके पर पहुंचे ओर मृतक की हालत देख कर सभी का रो रो कर बुरा हाल हो रहा था मृतक बाबू मजदूर था जो रोज दाडकी मजदूरी कर अपना परिवार चलता था ।

एक तरफ जहां इस क्रूर हत्या से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, वहीं दूसरी तरफ व्यवस्था की लाचारी ने परिजनों की परेशानी को और बढ़ा दिया। धार से स्नस्रु (फोरेंसिक) टीम को आना था, जिसका घंटों इंतजार किया गया, लेकिन टीम वक्त पर नहीं पहुंची। नगर में एक भी शव वाहन नहीं हे जो हमेशा मृतक परिवार के लिए परेशानी पैदा करता हे । पुलिस ने काफी जतन किए पर किस अन्य व्यक्ति ने भी शव के लिए अपना वाहन नहीं दिया नगर परिषद का ट्रैक्टर और लोडिंग वाहन भी आया, लेकिन परिजनों ने गरिमा के साथ शव ले जाने की मांग करते हुए उसमें शव रखने से इनकार कर दिया।

आखिरकार, हातोद में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में के बीच से थाना प्रभारी अलका मैनिया ड्यूटी छोड़ खुद मौके पर पहुंचीं और संवेदनशीलता दिखाते हुए पुलिस की ही गाड़ी से शव को पोस्टमार्टम के लिए देपालपुर भिजवाया।

मृतक के दाह संस्कार के लिए परिजनों ने किया मना आश्वासन के बाद तैयार हुवे - इधर देपालपुर में मृतक के पीएम के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया इसी बीच मृतक के घर पर परिजनों ने मृतक के दाह संस्कार करने से मना कर दिया ओर कहा कि जब तक आरोपी को पकड़ कर सामने नहीं लाते तब तक हम दाह संस्कार नहीं करेंगे वही मौके पर थाना प्रभारी ने पहुंचकर परिजनों को समझाइश देते हुवे आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द हम आरोपी को पकड़ कर सब के सामने लाएंगे ओर उसे उसके किए की सजा जरूर मिलेगी अपनी सारी बाते रखने के बाद परिजनों ने दाह संस्कार के लिए हामी भरी ओर मृतक का विधिविधान से मुक्तिधाम में दाह संस्कार किया गया। मृतक के भतीजे दीपक राठौर ने बताया कि बाबू राठौर की किसे से दुश्मनी नहीं थी वे शाम 7 बजे बाद घर से निकले थे वही रात्रि 11 बजे उन्हें शक्ति मंदिर के पास शराब दुकान से आते हुवे मेरे परिचित ने देखा था उसके बाद किसी को नहीं पता वे कहा गए।

शराब दुकान पर सीसी टीवी फुटेज गायब-मामले में पुलिस को जानकारी मिली कि बाबू के मर्डर के पहले वह शनिवार देर रात गौतमपुरा की शराब दुकान से कुछ लोगों के साथ शराब लेने गया था परंतु जब पुलिस शराब दुकान के सीसीटीवी फुटेज निकलने पहुंची तो वहां से कहा गया कि बीते कुछ दिनों से सीसीटीवी कैमरे बंद पड़े हे जिससे पुलिस का काम अब ओर मुश्किल हो गया हे वही शराब ठेकेदार द्वारा भी आपकारी के नियमों के उल्लंघन यह बात सामने आई हे जिसपर तुरंत क्रयवाही की मांग परिजन द्वारा की गई हे।

इनका कहना है..

मामले में थाना प्रभारी अलका मैनिया ने बताया कि हातोद में सीएम के कार्यक्रम में आधे से ज्यादा स्टाफ की ड्यूटी लगी थी स्टाफ कमी के बाजूद जैसे ही घटना की जानकारी मिली अधिकारियों के निर्देशन पर गौतमपुरा घटना स्थल पर पहुंची ओर शव को पीएम के लिए पहुंचाया । थाना प्रभारी ने बताया कि मामला हत्या का हे जिसकी छानबीन जारी हे सीसी टीवी फुटेज खंगाले जा रहे हे बारीकी से हर पहलू पर जांच की जा रही हे मृतक के चहरे पर लोहे के एंगल से क्रूरता पूर्वक वार किया गया हे । मामले में प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया हे पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में भी कई खुलासे होंगे ओर होगा तो उससे पहले ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, सोमवार 13 जुलाई 2026

न्यूज ब्रीफ

डॉ. जितेंद्र असाटी मेडिकैप्स विश्वविद्यालय को AIU भारतीय विश्वविद्यालय संघ यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड के सदस्य मनोनीत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विश्वविद्यालय, इंदौर के लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि

विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ. जितेंद्र असाटी को भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए इंटर-यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड का सदस्य मनोनीत किया गया है। AIU द्वारा जारी नामांकन पत्र के अनुसार डॉ. असाटी आगामी एक वर्ष तक इंटर-यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड की विभिन्न बैठकों, नीतिगत चर्चाओं एवं खेल गतिविधियों में सहभागिता करेंगे तथा देशभर में विश्वविद्यालयी खेलों के विकास, प्रोत्साहन एवं समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर मेडिकैप्स विश्वविद्यालय के कुलगुरु, कुल सचिव, प्रोफेसर इंचार्ज स्पोर्ट्स , एवं परिवार के सभी सदस्यों ने डॉ. जितेंद्र असाटी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

हर्बालाइफ इंडिया ने लॉन्च किया फॉर्मूला 1 न्यूट्रिशनल शेक का

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हेल्थ और वेलनेस क्षेत्र की कंपनी हर्बालाइफ इंडिया ने अपने फॉर्मूला 1 न्यूट्रिशनल शेक मिक्स में नया डेट्स कैरेमल वैरिएंट लॉन्च किया है। इस नए फ्लेवर में खजूर और कैरेमल का स्वाद है। साथ ही इसमें डेट क्रंच (खजूर के छोटे-छोटे कुरकुरे टुकड़े) भी शामिल किए गए हैं, ताकि स्वाद के साथ रोज़ाना की पोषण संबंधी जरूरतों का भी ध्यान रखा जा सके। कंपनी का कहना है कि आज के उपभोक्ता ऐसे विकल्प चाहते हैं, जिन्हें स्वादिष्ट होने के साथ-साथ रोज़मर्रा की व्यस्त जिंदगी में आसानी से शामिल किए जा सके। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए यह नया वैरिएंट पेश किया गया है। इससे पहले फॉर्मूला 1 शेक वनीला, डच चॉकलेट, मैंगो, कुल्फी और रोज़ खीर जैसे फ्लेवर में उपलब्ध है। इससे उपभोक्ताओं को अपनी पसंद के अनुसार फ्लेवर चुनने के अधिक विकल्प मिलेंगे।

इस्कॉन मंदिर की जगन्नाथ रथयात्रा 19 जुलाई को अन्नपूर्णा मंदिर से निकलेगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इस्कॉन मंदिर इंदौर की जगन्नाथ रथयात्रा का रविवार 19 जुलाई को शहर के विभिन्न समाजों, संगठनों एवं संस्थाओं की ओर से 50 से अधिक मंचों से स्वागत किया जाएगा। अन्नपूर्णा मंदिर से राजबाड़ा स्थित गोपाल मंदिर तक निकलने वाली इस परम्परागत रथ यात्रा में इस बार अनेक आकर्षण होंगे। अनेक स्थानों पर तोरण द्वार, स्वागत मंच, फल एवं स्वल्पाहार वितरण के साथ ही रथ यात्रा के सम्पूर्ण मार्ग में प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी रहेगी। वृंदावन से भगवान जगन्नाथ की विशेष पोषाक आएगी, वहां के फूलों से भगवान के रथ को सजाया जाएगा। यात्रा में इस्कॉन से जुड़े अनेक देशों के संत एवं भक्त भी अपनी भागीदारी दर्ज कराएंगे। यात्रा के पूर्व स्वर्ण झाडुओं से यात्रा मार्ग की सफाई भी होगी।

अन्नपूर्णा मंदिर के सभागृह में जगन्नाथ रथयात्रा की तैयारियों के लिए आयोजित शहर के धार्मिक, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न समाजों के पदाधिकारियों की महती बैठक में उक्त निर्णय लिए गए। रथ यात्रा समिति के संयोजक हरि अग्रवाल, किशोर गोयल एवं अशोक गोयल तथा सहसंयोजक भावेश दवे ने बताया कि बैठक में अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, खंडेलवाल समाज, चित्तौड़ा महाजन समाज, जैन समाज सहित विभिन्न वैश्य समाजों की ओर से 50 से अधिक मंचों से स्वागत एवं पुष्प वर्षा करने का निर्णय लिया गया।

समाधि स्थल कुराडा धाम पर तीन दिवसीय आयोजन 29 को शोभायात्रा भी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मालवा, निमाड़ एवं मारवाड़ अंचल के तपोनिष्ठ संत लादूनाथ महाराज के समाधि स्थल कुराड़ा धाम पर गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में 27 से 29 जुलाई तक देशभर के संत-महंत एवं शिष्य जमा होकर महंत रामकिशन महाराज के सानिध्य में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस दौरान 28 जुलाई को रात्रि जागरण तथा 29 जुलाई को सुबह 8 बजे से भव्य शोभा यात्रा के आयोजन भी होंगे। भक्त मंडल के विजय अग्रवाल, पुजारी योगेश सुईवाल एवं संजय जैन ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 27 जुलाई को सुबह 8 बजे से अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ होगा, जिसकी पूर्णाहुति 28 जुलाई को सुबह 9 बजे सत्संग के साथ होगी। 28 जुलाई को ही शाम 8 बजे से समाधि स्थल पर नागौर, भीलवाडा एवं जोधपुर के प्रख्यात भजन गायक एवं अन्य कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। राजस्थान की अभिनेत्री ट्विंकल वैष्णव भी अपनी नृत्य कला से भजनांजलि समर्पित करेंगी।

गुरू पूर्णिमा पर हंसदास मठ में पंद्रह समाधियों का होगा पूजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बड़ा गणपति, पीलियाखाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर गुरूपूर्णिमा महोत्सव बुधवार, 29 जुलाई को सुबह 11 बजे ध्वजा अर्पण के साथ प्रारंभ होगा। महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। यह शहर का पहला ऐसा धर्मस्थल है, जहां 15 संतों की समाधियां मौजूद हैं, जिन पर चरण पादुकाएं स्थापित है। गुरू पूर्णिमा पर मठ के अधिष्ठाता हंस पीठाधीश्वर श्रीमहंत रामचरणदास महाराज के सानिध्य में गंगाजल, दुग्ध एवं सुगंधित द्रव्यों से अभिसिक्त कर विद्वानों की उपस्थिति में स्वस्ति वाचन के बीच समाधियों का पूजन किया जाएगा। मठ के महामंडलेश्वर महंत पं. पवनदास महाराज के सानिध्य में पूर्ववर्ती श्रीमहंतों की समाधियों पर पादुका पूजन एवं आरती के आयोजन भी होंगे। दोपहर 12 बजे से हंस पीठाधीश्वर स्वामी रामचरणदास महाराज का पाद पूजन प्रारंभ होगा।

विशुद्ध सागर जी का महामंगल प्रवेश दिल्ली में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिल्ली की पावन धरा पर इतिहास बनने जा रहा है। श्रमंण संस्कृति के महामहिम आचार्य चर्या शिरोमणि पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महामुनिराज का भारत की राजधानी दिल्ली में 26 जुलाई को संसघ भव्य मंगल प्रवेश होने जा रहा है। इस वर्ष का वर्षायोग चातुर्मास महामंगल कलश स्थापना मंगलवार 28 जुलाई को प्रातः शुभ वर्षायोग मंगल कलश स्थापना समारोह ऋषभ विहार दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि दिल्ली जैन समाज ने आचार्य श्री के शुभ महाआगमन को 'महा शंखनाद' की संज्ञा दी गई है और दिल्ली समाज जन एवं आयोजन समिति ने

विद्याधाम पर गुरू पूर्णिमा पर 'भगवन' की पादुकाओं का पूजन एवं दीक्षा कार्यक्रम 29 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर गुरू पूर्णिमा महोत्सव के उपलक्ष्य में बुधवार, 29 जुलाई को आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर स्वामी गिरिजानंद सरस्वती 'भगवन' की चरण पादुकाओं का पूजन एवं वर्तमान महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के पाद पूजन तथा गुरूमंत्र दीक्षा का दिव्य अनुष्ठान सुबह 9.30 बजे से प्रारंभ होगा। आश्रम पर चातुर्मास महोत्सव के दौरान विभिन्न अनुष्ठान होंगे।

आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेंद्र महाजन ने बताया कि चातुर्मास महोत्सव के तहत महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में प्रतिदिन सुबह 9 बजे से 31 वैदिक विद्वानों द्वारा दो अभिषेकात्मक लघु रूद्र महायाग होंगे। पूरे श्रावण मास में भगवान पारदेश्वर का दुग्ध धारा एवं तीर्थ जल द्वारा अखंड अभिषेक, प्रतिदिन सांय 5.30 बजे से 'ह्रीं नमः शिवायै च नमः शिवाय' महामंत्र द्वारा लक्षार्चन आराधना एवं सायं 5.30 से रात 9 बजे तक सामूहिक शिव महिम्न पाठ एवं शिव आराधना के अनुष्ठान होंगे।बुधवार 12 अगस्त को हरियाली अमावस्या पर आश्रम के संस्थापक शिव स्वरुप पूज्यश्री गिरिजानंद सरस्वती भगवन के निर्वाण का पुण्य स्मरण एवं पादुका पूजन भी प्रातः 9.30 बजे से होगा। श्रावण मास में प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से वैदिक ब्राह्मणों द्वारा लघु रूद्र अभिषेक, शाम 5.30 बजे से लक्षार्चन आराधना एवं रात 9 बजे से शिव आराधना के आयोजन होंगे।

भोपाल की ताल के चौपाल से

बीजेपी में खलबली, कलेक्टर और कप्तान की कुर्सी जाते-जाते बची और वो पटवारी साहब!

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के लोकप्रिय कॉलम बोल हरि बोल के जरिए जानिए मध्य प्रदेश की सियासत, अधिकारियों पर गिरी गाज और कांग्रेस-बीजेपी के भीतर चल रही अंदरूनी हलचल का पूरा सच... सियासत में खबरें अपनी जगह होती हैं और चर्चाएं अपनी जगह। कई बार जो अखबार की हेडिंग नहीं बन पाता, वही सत्ता के गलियारों में सबसे ज्यादा बोला और सुना जाता है। इस हफ्ते भी कुछ ऐसे ही किस्से चर्चा में रहे हैं। कहीं दो अफसरों की कुर्सी बाल-बाल बची है तो कहीं किसी नेता का कद तौला गया। बयानों ने भी खूब बहस छेड़ी है।

अहं और वहम दूर करती बीजेपी

बीजेपी में नई कोपलें फूटने का दौर लगातार जारी है। इसी के साथ पार्टी उन वटवृक्षों की टहनियां भी लगातार छांट रही है, जो अपने साए में नए पौधों को पनपने नहीं देते। बीजेपी के इस अभियान से वरिष्ठ और गरिष्ठ हो चुके नेताओं के ग्रहनक्षत्र बिगड़ गए हैं। नरोत्तम मिश्रा इसका ताजा उदाहरण हैं। बीजेपी के इस अभियान की सही तस्वीर 2028 के चुनाव में देखने मिलेगी, जब सभी वरिष्ठ और गरिष्ठ नेताओं को संरक्षक मंडल में रखकर युवा पीढ़ी को आगे लाया जाएगा। माना जा रहा है कि 2028 के चुनाव में 55 बसंत देख चुके नेताओं को टिकट अव्वल तो मिलेगा ही नहीं और यदि मिला भी तो जीत की गारंटी देनी होगी। फिर वो चाहे कितना ही दिग्गज और क्षेत्र का प्रभावशाली नेता ही क्यों न हो। इतना ही नहीं, जो नेता अपने बच्चों को टिकट दिलाने का सपना देख रहे हैं, उनमें से कई नेताओं को निराशा ही हाथ लगने वाली है। दतिया उपचुनाव में नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने के बाद सीनियर नेताओं में बेचैनी दिखाई देने लगी है।

बच गए कलेक्टर और एसपी साहब!

खरगोन कलेक्टर-एसपी की कुर्सी बाल-बाल बच गई है, लेकिन प्रोटोकॉल में लापरवाही बरतने पर दोनों को डांट भरपूर मिली है। दोनों अफसरों के माफी मांगने के बाद उन पर कोई एक्शन नहीं लिया गया है। दरअसल, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार परिवार के साथ ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने गए थे। उनके साथ रिश्तेदार ईओडब्ल्यू डीजी उपेन्द्र जैन भी थे। दोनों के दौरे की जानकारी कलेक्टर-एसपी को होने के बाद भी वे प्रोटोकॉल में नहीं पहुंचे। इस पर उपेन्द्र जैन ने खासी नाराजगी जताई। भनक लगते ही कलेक्टर-एसपी दौड़ते हुए पहुंचे और लापरवाही के लिए माफी मांगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने दोनों को माफ करते हुए मामला खत्म कर दिया। यदि यह शिकायत मुख्यमंत्री तक पहुंचती तो मुख्य चुनाव आयुक्त के प्रोटोकॉल में लापरवाही करने के मामले में दोनों का हटना तय था।

दो हॉट सीट चर्चा में

प्रदेश की दो हॉट सीट काफी चर्चा में हैं। दरअसल, सुपर हॉट सीट पर बैठे बड़े साहब का कार्यकाल अगस्त में पूरा हो रहा है। वहीं, पीएचक्यू में सेकंड हॉट सीट बन चुकी खुफियागिरी वाले साहब सितंबर में रिटायर हो रहे हैं। वैसे यह खाकी वाली सीट पहले ज्यादा चर्चा में नहीं रहती थी, लेकिन इस सरकार में खाकी वाले मुखिया से ज्यादा खुफिया वाले साहब की सीट पावरफुल है। यही वजह है कि बड़े साहब के साथ खुफिया वाले साहब की सीट पर कौन बैठेगा, इसकी चर्चा प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में हो रही है। हर कोई अपने हिसाब से पतंग उड़ाने में लगा हुआ है। बड़े साहब वाली कुर्सी का फैसला तो दिल्ली की सहमति से होगा, लेकिन खुफियागिरी वाली सीट का फैसला तो मुख्यमंत्री को ही लेना है, तो अभी से नफे-नुकसान के आकलन के साथ योग्य वर की तेजी से तलाश जारी है। वहीं, बड़े साहब को एक्सटेंशन मिलता है या फिर दिल्ली-भोपाल में से किसी की लॉटरी खुलेगी, यह तो 31 अगस्त को ही पता चलेगा।

पटवारी के नंबर बढ़ गए

कमलनाथ के बाद प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर आए जीतू पटवारी लगातार अपनी ही पार्टी के बड़े नेताओं के निशाने पर रहे हैं। उन पर सबसे कमजोर प्रदेश अध्यक्ष होने का भी आरोप लगाया गया। यह भी माना जाने लगा कि पटवारी को हटा दिया जाएगा, लेकिन इसी बीच सरकार की ओर से पटवारी के खिलाफ लगातार एक्शन लेने से पटवारी के नंबर पार्टी हाईकमान की नजरों में बढ़ गए हैं। एक तरह से देखा जाए तो सरकार की सख्ती से पटवारी को अध्यक्ष पद के लिए अभयदान मिल गया है। इससे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बेचैन हैं। जो नेता जीतू पटवारी के हटने का इंतजार कर रहे थे, उनकी प्लानिंग पर पानी फिर गया है। इधर, पटवारी भी समझ चुके हैं कि एक मौका और मिला है। सही से डटे रहे तो चुनाव उनके नेतृत्व में हो सकता है। आगे की बातें भविष्य के गर्त में हैं कि वो खुद चुनाव जीत पाएंगे या नहीं।

सुर्खियों में आया मध्यप्रदेश!

अपना मध्यप्रदेश हाल के वक्त में किसी न किसी कारण से पूरे देश में चर्चाओं में बना हुआ है। कभी पक्ष तो कभी विपक्ष की तरफ से बल्लेबाजी हो रही है। अब देखिए ना, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मैदान में उतर गए। उन्होंने चावल घोटाले पर सरकार को आड़े हाथों लिया। खरगे ने कहा, 'मध्यप्रदेश आज भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार और लूट का केंद्र और भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुका है। एक घोटाला खत्म नहीं होता, दूसरा सामने आ जाता है। अब एथेनॉल के नाम पर 1200 करोड़ रुपए का चावल घोटाला सामने आया है। जिस चावल को कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं और किशोरियों के पोषण के लिए इस्तेमाल होना था, उसी चावल को मुनाफे के खेल में घुमाया गया। 5 लाख मीट्रिक टन चावल, राइस मिलरों, एथेनॉल माफिया और भाजपा सरकार के संरक्षण में भ्रष्टाचार के इस खेल का हिस्सा बना दिया गया। भाजपा और सरकारी तंत्र की मिलीभगत से जनता के हक के अनाज पर डाका डाला जा रहा है।' इसके पहले जमीनों के मामले में बड़ा घोटाला सामने आया। उज्जैन में उन्हीं इलाकों में जमीनों का विस्तार हुआ, जहां सरकारी प्रोजेक्ट और हाईवे प्रस्तावित हैं। यह कोई पहला मामला नहीं है। बीते एक महीने से मध्यप्रदेश लगातार पूरे देश में चर्चित है।

मामा का इकबाल कम हो गया क्या?

क्या मध्यप्रदेश की राजनीति में मामा का पहले जैसा असर नहीं रहा? यह सवाल इन दिनों सत्ता के गलियारों में तैर रहा है। इसकी वजह एक वायरल वीडियो है, जिसमें मामा और महाराज साथ नजर आ रहे हैं। वीडियो में कार्यकर्ताओं का पूरा ध्यान महाराज के स्वागत पर दिख रहा है। फूल-मालाएं, अभिनंदन और उत्साह सब उनकी ओर है। वहीं, ठीक बगल में चल रहे मामा अपेक्षाकृत शांत नजर आ रहे हैं। बस फिर क्या था, वीडियो सोशल मीडिया पर पहुंचा और उसके साथ राजनीतिक व्याख्याओं का दौर भी शुरू हो गया। मामा के समर्थक इसे सामान्य घटना मानने को तैयार नहीं हैं। वहीं, विरोधी चुटकी लेने का मौका कैसे छोड़ते। कानाफूसी शुरू हो गई कि दिल्ली से बार-बार भोपाल आने का असर अब पहले जैसा नहीं रहा। कुछ लोगों ने तंज कसते हुए कहा कि बार-बार आएंगे तो चरचराटा बना रहेगा, फिर लोग इसे सामान्य मानने लगेंगे। हालांकि, एक वीडियो से किसी नेता की राजनीतिक ताकत का आकलन नहीं किया जा सकता, लेकिन सत्ता की राजनीति में तस्वीरें और प्रतीक भी अपने संदेश छोड़ जाते हैं। इसलिए इस वीडियो की चर्चा स्वागत से ज्यादा उस सवाल पर हो रही है कि क्या मामा का राजनीतिक इकबाल पहले जैसा ही है या सत्ता के समीकरण बदलने के साथ तस्वीरें भी बदलने लगी हैं?

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश निःशुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

टाटा मोटर्स ने पेश किए और नई अल्ट्रा प्राइम और स्टारबस प्राइम रेंज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल गाड़ी बनाने वाली कंपनी, टाटा मोटर्स ने प्रवास 5.0 इवेंट में अपनी सबसे आधुनिक बसों और गाड़ियों का प्रदर्शन किया है। इसमें सबसे खास रही टाटा की बिल्कुल नई टाटा अल्ट्रा प्राइम और टाटा स्टारबस प्राइम बसों की रेंज। इन नई पीढ़ी की बसों को इस तरह बनाया गया है कि यात्रियों को ज़्यादा आराम मिले, सफर सुरक्षित हो और बस मालिकों की कमाई ज़्यादा हो। ये गाड़ियां देश में यात्री परिवहन के भविष्य को आकार देने में कंपनी की प्रतिबद्धता दर्शाती हैं। कंपनी ने इस इवेंट में अलग-अलग जरूरतों और ईंधनों से चलने वाली कई गाड़ियाँ दिखाईं।

खजराना के कागज़ी अस्पताल के विरोध में आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन,

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खजराना के कागज़ी अस्पताल के विरोध में आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन, सरकार से मांगा जवाब आम आदमी पार्टी, इंदौर द्वारा आज

खजराना में प्रस्तावित 100-बेड सिविल अस्पताल के निर्माण में छह वर्षों से हो रही देरी और प्रशासनिक अव्यवस्था के विरोध में प्रदर्शन किया गया। वर्ष 2020 में स्वीकृत इस अस्पताल का उद्देश्य खजराना, मुसाखेड़ी, तेजाजी नगर, बिचोली हाप्सी सहित आसपास के तीन लाख से अधिक नागरिकों को बेहतर एवं सुलभ सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा एम.वाई. अस्पताल, एम.टी.एच. अस्पताल और जिला अस्पताल पर बढ़ते मरीजों के दबाव को कम करना था।

वेद मंत्रों के बीच हुआ श्री परशुराम धाम का भूमिपूजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● तिल्लोर खुर्द में बनने वाले श्री परशुराम धाम का रविवार को अभिजीत मुहूर्त में विधि-विधान से वेद मंत्रों के बीच भूमिपूजन किया। भूमिपूजन के साथ ही धाम का निर्माण कार्य शुरू हो गया। भूमिपूजन में लोकेश अवस्थी (लक्की भैया), मुरली मामा, नरेश दुबे सहित अन्य ने आचार्यों और विद्वान पंडितों के सान्निध्य में वेद मंत्रों के बीच भूमिपूजन किया। कार्यक्रम के दौरान भगवान परशुराम के जयघोष गूंजते रहे।

सम्पादकीय

जांच होती है, रिपोर्ट आती है... फिर हादसे क्यों नहीं रुकते ?

आजकल कई इमारतों में सुरक्षा के आधुनिक इंतजाम के नाम पर 'डिजिटल दरवाजे' लगा दिए जाते हैं, जो हादसे की स्थिति में काम करना बंद कर देते हैं और उसमें लोग फंस कर मारे जाते हैं। आग और धुएं से घिरी एक बहुमंजिला इमारत तथा बचाव अभियान का प्रतीकात्मक दृश्य, जो भवन सुरक्षा, प्रशासनिक लापरवाही और हादसों में जवाबदेही के मुद्दे को दर्शाता है। आमतौर पर किसी हादसे के बाद उसके कारणों पर बात होती है। सरकार मामले की तह तक पहुंचने के लिए जांच एजेंसी गठित करती है। मगर उसके बाद शायद ही कभी कारणों के तमाम पहलुओं के आधार पर हादसों से निपटने के लिए कोई व्यापक कार्ययोजना बनती है और उसे एक नियमन की तरह देखा जाता है। लगभग सभी दुर्घटनाओं और उनकी जांच रिपोर्ट को एक खास घटना के दायरे में समेट कर देखा जाता है। जबकि सबसे जरूरी यह होना चाहिए कि किसी हादसे के बाद उसके कारणों को ध्यान में रख कर भविष्य के लिए ऐसे इंतजाम किए जाएं, ताकि वैसा दोबारा न हो। एक अहम पहलू यह भी है कि हमारे यहां हादसों के बाद संवेदना जाहिर करने से लेकर सवाल उठाने तक में तो कमी नहीं की जाती, लेकिन उससे बचाव के पूर्व-इंतजामों को लेकर शायद ही कभी गंभीरता दिखाई जाती है। यही वजह है कि एहतियाती उपायों की अनदेखी आखिर किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बनती है और उसमें जानमाल की क्षति होती है। कुछ समय पहले दिल्ली और लखनऊ की दो अलग-अलग घटनाओं ने इस मसले पर सरकारी महकमों की उदासीनता और लापरवाही की एक अघोषित तौर पर चलती रहने वाली उस 'व्यवस्था' को उजागर किया, जो ऐसे हादसों की मूल वजह है। दरअसल, दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में एक इमारत में लगी आग में फंसने के बाद जहां इक्कीस लोगों की जान चली गई, वहीं लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में इसी तरह की घटना में पंद्रह विद्यार्थियों की मौत हो गई। निश्चित तौर पर इसके लिए उन इमारतों के प्रबंधन की जवाबदेही बनती है, लेकिन सवाल है कि जिन लापरवाहियों या खामियों की वजह से वे भयावह हादसे हुए, उनकी जांच करने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी थी? कायदे से इसके लिए उन सरकारी महकमों और अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, जिनका दायित्व है कि वे समय-समय पर इमारतों में अग्निशमन से लेकर बचाव इंतजामों की जांच करें। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और लखनऊ में आग लगने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को नगर निकायों को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि समय-समय पर दिए गए निर्देशों का पालन न करने वाले शीर्ष अधिकारी अब व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।

कूटनीति के कैनवास पर भारत का उभरता नया स्वरूप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की ऐतिहासिक यात्रा के बाद स्वदेश लौटे हैं। वे इन देशों से भारत के लिए रक्षा व सुरक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी, व्यापार, तकनीक, शिक्षा और समुद्री सुरक्षा के कई महत्वपूर्ण समझौते लाए हैं। आज जब वैश्विक भू-राजनीति के वर्तमान दौर में, महाशक्तियों के बीच वर्चस्व की होड़ मची है और पारंपरिक वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं बिखराव के दौर से गुजर रही हैं, तब किसी देश की विदेश नीति की सफलता इस बात से मापी जाती है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को कितनी कुशलता से सुरक्षित करता है। इस संदर्भ में, विदेश मंत्रालय द्वारा रेखांकित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड का छह दिवसीय त्रिकोणीय दौरा भारत की समकालीन विदेश नीति के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ है। 6 से 11 जुलाई तक चले इस सघन राजनयिक अभियान ने न केवल भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को नई ऊर्जा दी है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की स्थिति को 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' (सुरक्षा प्रदाता) और एक अपरिहार्य आर्थिक धुरी के रूप में स्थापित कर दिया है। यह दौरा महज कुछ द्विपक्षीय बैठकों या औपचारिक समझौतों का पुलिंदा नहीं था। इसे भारत के दूरगामी रणनीतिक दृष्टिकोण, विशेष रूप से 'विज़न महासागर' के धरातल पर क्रियान्वयन के रूप में देखा जाना चाहिए। इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड—ये तीनों देश हिंद-प्रशांत की उस समुद्री भूगोल पर स्थित हैं, जहां से भारत के दो-तिहाई व्यापार और ऊर्जा मार्ग गुजरते हैं। इस यात्रा के जरिए भारत ने रक्षा निर्यात, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा, परमाणु ऊर्जा के नए मार्ग और मुक्त व्यापार समझौतों का ऐसा मजबूत चक्रव्यूह तैयार किया है, जो आने वाले दशकों में देश को 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ाकर एक विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

दौरे के पहले पड़ाव के रूप में जकार्ता में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता भारत के रक्षा इतिहास में एक नया अध्याय लिख गई। भारत और इंडोनेशिया के बीच राजनयिक संबंधों के शानदार 75 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक मोड़ पर हुए इस दौरे ने दोनों देशों की 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' को नए आयाम दिए हैं। सबसे बड़ी कूटनीतिक और रक्षा सफलता इंडोनेशिया के साथ लगभग 5,400 करोड़ रुपये के ब्रह्मोस मिसाइल और तटीय रक्षा प्रणालियों के सौदे पर हुई ठोस प्रगति है। कभी दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक रहा भारत आज अपनी स्वदेशी मिसाइल तकनीक को दक्षिण-पूर्वी एशिया के सबसे बड़े देश को निर्यात करने की दहलीज पर खड़ा है। यह सौदा न केवल भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र की वैश्विक साख को बढ़ाता है, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन को बनाए रखने में भी मददगार साबित होगा। सुरक्षा के मोर्चे पर इससे भी बड़ी रणनीतिक सफलता सुदूर इंडोनेशियाई द्वीप पर स्थित साबांग बंदरगाह के संयुक्त विकास को लेकर बनी सहमति है। मलक्का जलडमरूमध्य के ठीक मुहाने पर स्थित साबांग बंदरगाह का रणनीतिक महत्व अद्वितीय है। दुनिया का अधिकांश समुद्री व्यापार इसी पतले जलमार्ग से होता है। साबांग में भारत की आर्थिक और तकनीकी उपस्थिति का सीधा अर्थ यह है कि भारत अब अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से परे, हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के मिलन बिंदु पर अपनी पैनी नजर रख सकेगा। यह कदम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में किसी भी एकतरफा सैन्य दबदबे या विस्तारवादी नीति को संतुलित करने के लिए भारत का एक मजबूत और शांतिपूर्ण कूटनीतिक जवाब है।

यात्रा के दूसरे चरण में मेलबर्न में आयोजित तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक नेताओं के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के बीच हुई बातचीत पूरी तरह से भविष्य की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर केंद्रित रही। इस पड़ाव की सबसे बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि वह नागरिक परमाणु ऊर्जा समझौता रहा, जो पिछले दो वर्षों से लंबित वार्ताओं के बाद आखिरकार अमलीजामा पहन सका। इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया से भारत को व्यावसायिक रूप से यूरेनियम की निर्बाध आपूर्ति का रास्ता साफ हो गया है। भारत ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का जो महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, उसे पूरा करने के लिए यह ऑस्ट्रेलियाई यूरेनियम रीढ़ की हड्डी साबित होगा। यह भारत की हरित ऊर्जा प्रतिबद्धताओं और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक युगांतरकारी कदम है।

इसके साथ ही, डिजिटल और तकनीकी क्रांति के इस युग में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्रिटिकल मिनरल्स' यानी महत्वपूर्ण खनिजों (जैसे लिथियम, कोबाल्ट और निकल) की सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए ठोस रणनीतिक साझेदारी की है। आज जब भारत इलेक्ट्रिक वाहनों , सेमीकंडक्टर और सौर पैनल निर्माण का वैश्विक हब बनने की ओर अग्रसर है, तब इन खनिजों पर से किसी एक देश के एकाधिकार को तोड़ना बेहद जरूरी था। ऑस्ट्रेलिया के विशाल खनिज भंडार तक भारत की सीधी पहुंच घरेलू उद्योगों के लिए कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा, दोनों देशों के तटीय रक्षकों और नौसेनाओं के बीच मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों के लिए हुआ नया समन्वय हिंद-प्रशांत की समुद्री सुरक्षा को एक सामूहिक सुरक्षा छतरी प्रदान करता है। मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में उमड़ा भारतीय प्रवासियों का जनसैलाब, जिसे प्रधानमंत्री अल्बनीज ने दोनों देशों को जोड़ने वाला 'लिविंग ब्रिज' कहा, यह साबित करता है कि ऑस्ट्रेलिया की समृद्धि और नीति-निर्माण में भारतीय समुदाय अब एक निर्णायक भूमिका में आ चुका है।

दौरे का अंतिम और सबसे अनूठा पड़ाव न्यूज़ीलैंड रहा। यह पिछले 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूज़ीलैंड की पहली आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा थी। ऑकलैंड में प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सम के साथ हुई व्यापक बैठकों के बाद दोनों देशों के संबंधों को औपचारिक रूप से 'स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' (रणनीतिक साझेदारी) के सर्वोच्च स्तर पर अपग्रेड कर दिया गया। चार दशकों की इस राजनयिक दूरी को खत्म करते हुए भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह प्रशांत महासागर के सुदूर कोनों में भी अपने हितों को लेकर बेहद गंभीर है।

इस यात्रा का सबसे बड़ा आर्थिक लाभ भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (स्नञ्ज) की वार्ताओं को मिली नई गति है। न्यूज़ीलैंड ने भारतीय सामानों, विशेषकर कृषि-प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और सूचना प्रौद्योगिकी (ढ्ढञ्ज) सेवाओं के लिए अपने बाजारों में पूरी तरह से शुल्क-मुक्त या रियायती पहुंच प्रदान करने के रोडमैप पर सहमति जताई है। इसके बदले में भारत न्यूज़ीलैंड की उन्नत डेयरी तकनीक, खाद्य प्रसंस्करण और महासागर अनुसंधान की विशेषज्ञता का लाभ उठा सकेगा। खेल, संस्कृति, पर्यटन और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में हस्ताक्षरित कई समझौता ज्ञापनों ने इस साझेदारी को केवल सरकारी गलियारों तक सीमित न रखकर जनता से जनता के जुड़ाव में बदल दिया है। इस त्रिकोणीय यात्रा के भू-राजनीतिक निहितार्थों को समझे बिना इसका मूल्यांकन अधूरा रहेगा। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता और कर्ज के जाल वाली कूटनीति के बीच, भारत ने इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के साथ मिलकर एक वैकल्पिक, नियम-आधारित और पारदर्शी व्यवस्था का खाका खींचा है। भारत की यह कूटनीति किसी देश के विरोध में नहीं, बल्कि 'समावेशी और खुले हिंद-प्रशांत' के पक्ष में है। भारत ने यह संदेश दे दिया है कि वह वैश्विक मंच पर केवल एक दर्शक नहीं, बल्कि एजेंडा तय करने वाला देश है। प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया भर से मिले 35 सर्वोच्च नागरिक सम्मान और इस दौरे के दौरान दक्षिण-पूर्वी एशिया व प्रशांत देशों में मिला अभूतपूर्व सम्मान यह दिखाता है कि भारत किस तरह 'ग्लोबल साउथ' की मजबूत आवाज बन चुका है। भारत वैश्विक विनिर्माण और 5त्र/6त्र जैसी स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के दम पर दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, और यह दौरा उसी संकल्प को गति देने वाला ईंधन है। संपादकीय दृष्टिकोण से देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह तीन देशों का दौरा भारत की 'रणनीतिक स्वायत्तता' और व्यावहारिक कूटनीति का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। भारत ने एक ही यात्रा में रक्षा निर्यात के नए बाजारों को साधा, ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए यूरेनियम का इंतजाम किया और भविष्य के डिजिटल उद्योगों के लिए खनिजों की क्रेडिबल सप्लाई चेन तैयार कर ली। यह दौरा घरेलू राजनीति के संकीर्ण चश्मे से परे जाकर राष्ट्र-निर्माण के उस महायज्ञ का हिस्सा है, जहां विदेश नीति सीधे तौर पर देश के आम नागरिक के जीवन, रोजगार और सुरक्षा को प्रभावित करती है। साबांग बंदरगाह से लेकर मेलबर्न के कॉर्पोरेट बोर्डरूम और ऑकलैंड के नीतिगत गलियारों तक, भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 21वीं सदी का भारत 'जियो-पॉलिटिक्स' और 'जियो-इकोनॉमिक्स' के वैश्विक रंगमंच पर एक नायक की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। अख़बारों के पन्नों पर इस यात्रा की सफलता को केवल तात्कालिक समझौतों के रूप में नहीं, बल्कि आने वाले स्वर्णिम भारत के उस वैश्विक शिलान्यास के रूप में याद रखा जाएगा, जिसकी गूंज पूरे हिंद-प्रशांत महासागर में सुनाई दे रही है।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार
,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

अज्ञात महिला शव की शिनाख्त कर हत्या का खुलासा, आरोपी 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

धार • 10 जुलाई को थाना कोतवाली धार पर सूचना प्राप्त हुई कि एक महिला का शव कृषि फार्म के समीप सड़क किनारे पानी से भरे गड्ढे में पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची एवं आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव को कब्जे में लेकर मर्ग क्रमांक 48/2026 धारा 194 बीएनएसएस के तहत जांच प्रारंभ की गई।

जांच के दौरान मृतिका की पहचान मंजुबाई पति स्व. मयाराम, उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्राम लेबड़, चौकी घाटाबिल्लोद, थाना पीथमपुर, जिला धार के रूप में हुई। मर्ग जांच के दौरान मृतिका की सास एवं उसके साथ रह रहे व्यक्ति के कथन लिए गए। जांच में यह तथ्य सामने आया कि दिनांक 09.07.2026 को आरोपी रमेश उर्फ दुबलिया निवासी ग्राम सोडपुर, थाना नालछा, जिला धार, मृतिका को इंदौर के रानीपुरा क्षेत्र में कटलरी का सामान खरीदने के बहाने अपने साथ मोटरसाइकिल से ले गया था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटी।

प्रारंभिक विवेचना में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी रमेश उर्फ दुबलिया का मृतिका मंजुबाई से आपसी प्रेम संबंध था, जो मृतिका आरोपी पर शादी का दबाव बना रही थी इस बात को लेकर आरोपी द्वारा मृतिका को इंदौर में कटलरी का सामान खरीदने के बहाने अपने साथ ले गया था। जहां आरोपी ने उसकी हत्या कर शव को कृषि फार्म के समीप सड़क किनारे पानी से भरे गड्ढे में फेंक दिया। आरोपी से पूछताछ एवं विवेचना के दौरान हत्या के पीछे के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दिनांक 11.07.2026 को आरोपी रमेश उर्फ दुबलिया पिता सुखराम, निवासी ग्राम सोडपुर, थाना नालछा को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया।

जन्म प्रमाण पत्र बनाने में देरी, रिश्वत का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • मेडिकल कॉलेज सह-जिला अस्पताल में बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनवाने को लेकर लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आवेदनों के बाद प्रमाण पत्र मिलने में 8 से 10 दिन लगने का दावा किया जा रहा है। अस्पताल पहुंचे कई लोगों ने आरोप लगाया कि पैसे देने पर काम तुरंत हो जाता है, जबकि सामान्य आवेदकों को लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ती है। अस्पताल में सुबह से ही जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कतारें लग जाती हैं। कोई बच्चे के नाम में सुधार कराने आता है तो कोई प्रमाण पत्र को डिजिटल कराने के लिए आवेदन देता है। दूर-दराज के गांवों से आए लोग घंटों लाइन में खड़े रहते हैं, फिर भी कई बार उनका काम नहीं हो पाता। सबसे अधिक परेशानी उन परिवारों को हो रही है जिनके बच्चों का स्कूल में प्रवेश जन्म प्रमाण पत्र के अभाव में अटका हुआ है। मजबूरी में लोग रोज काम छोड़कर अस्पताल पहुंच रहे हैं, लेकिन अव्यवस्था और धीमी प्रक्रिया के कारण उन्हें राहत नहीं मिल रही।

नगर निगम की पहाड़ी को उन्हीं का ठेकेदार खुदवा रहा

खंडवा में अवैध खनन से करोड़ों की रॉयल्टी चोरी, कमिश्नर बोलीं- नहीं दी परमिशन

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • खंडवा में नगर निगम की पहाड़ीनुमा जमीन पर अवैध खनन जोरो से चल रहा है। आरोप है कि नगर निगम का ठेकेदार ही इस अवैध कारोबार का मास्टरमाइंड है। अवैध खनन कर प्राकृतिक सुंदरता से सरोबार पहाड़ी को समतल कर दिया गया है। इसके लिए खनिज विभाग से परमिशन तक नहीं ली गई। खास बात यह है कि नगर निगम के अफसरों को जानकारी तक नहीं है। परमिशन होती तो शासन को एक करोड़ रूपए से ज्यादा की रॉयल्टी मिलती।

मामला खंडवा-मूंदी रोड़ स्थित ग्राम सिहाड़ा का है। जहां रेलवे ओवरब्रिज के पास निर्माणाधीन राजपूत धर्मशाला के पीछे एक सुंदर सी पहाड़ी है। उक्त जमीन खंडवा नगर निगम की है।

इस समय पहाड़ी पर जेसीबी और पोकलेन मशीनें चलाकर उसे छलनी किया जा रहा है। बड़ी मात्रा में खनिज पदार्थ मुरूम निकालकर शहर के कॉलोनाइजर्स को बेची जा रही है। कॉलोनी डेवलपमेंट के अलावा वेयरहाउस और शहर में बन रहे मकानों में मुरूम सप्लाई की जा रही है। आरोप है कि पूरा खेल निगम सरकार से जुड़े नेताओं के संरक्षण और उन्हीं की देखरेख में हो रहा है। शहर के निर्माणाधीन बायपास पर स्थित बेशकीमती जमीन पर अवैध खनन को लेकर दैनिक भास्कर ने पड़ताल की। सामने आया कि अवैध खनन के इस खेल में नगर निगम का ठेकेदार पंकज शर्मा ही शामिल है।

एनटीपीसी खरगोन के परियोजना प्रमुख बने केशब चंद्र सिंघा रॉय

दैनिक इंदौर संकेत

बेड़िया • एनटीपीसी सुपर ताप विद्युत परियोजना में केशब चंद्र सिंघा रॉय ने मुख्य महाप्रबंधक व परियोजना प्रमुख का कार्यभार संभाल लिया है। विद्युत क्षेत्र में तीन दशक से अधिक का अनुभव रखने वाले रॉय ने एनटीपीसी में अपने करियर की शुरुआत कार्यकारी प्रशिक्षु के रूप में की थी। उन्होंने ऊंचाहार, रिहंद और रामागुंडम परियोजनाओं में कंट्रोल व इंस्ट्रूमेंटेशन, अनुरक्षण, परिचालन जैसे महत्वपूर्ण विभागों में सेवाएं दीं।

जिला अस्पताल के गेट पर बारिश का पानी भरने से मरीज परेशान

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • जिला अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने बारिश के दौरान पानी भरने से मरीजों, परिजनों और एंबुलेंस को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि सड़क का स्तर और जल निकासी व्यवस्था ठीक नहीं होने से हर बारिश में पानी जमा हो जाता है। नागरिकों ने नगर पालिका और संबंधित विभाग से स्थायी जल निकासी व्यवस्था कर समस्या का जल्द समाधान कराने की मांग की है। रखरखाव के अभाव में उजड़ रहे कॉलोनी के गार्डन खरगोन 7 शहर की विभिन्न कॉलोनियों में विकसित किए गए सार्वजनिक बगीचे रखरखाव के अभाव में बदहाल होते जा रहे हैं। कहीं झूले टूटे पड़े हैं तो कहीं घास और पौधों की जगह झाड़ियां उग आई हैं। बच्चों और बुजुर्गों के लिए बनाए गए ये गार्डन अब उपयोग के बजाय उपेक्षा की तस्वीर बन गए हैं।

शहर मे आ रही स्पा सेंटर्स की बाढ़, न पा एवं अधिकारी अंजान

धार। तीखी गर्मी के मौसम खत्म होते ही बारिश के मौसम मे इन दिनों धार शहर मे स्पा सेंटर्स की बाढ़ आना शुरू हो गई है ये कथित स्पा पार्लर बगैर वैध अनुमति संचालित हो रहे हैं। हाल ही मे धार जिला मुख्यालय पर डी आर पी लाईन के समीप रहवासी कॉलोनी मे भी स्पा पार्लर की शुरुआत हुई है जिसका स्थानीय लोगों द्वारा विरोध भी किया गया तथा प्रतिष्ठित न्यूज चैनल मे खबरें भी प्रकाशित हुई है बावजूद नगर पालिका इस रहवासी कॉलोनी मे व्यावसायिक गतिविधियों को रोकने मे नाकाम हुई है। वहीं शहर मे विधायक बंगले के सामने भी भाजपा नेता के कॉम्प्लेक्स मे स्पा पार्लर का संचालन बेखौफ किया जा रहा है जिस पर भी प्रशासन द्वारा कोई लगाम नहीं लगाई गई है।

खंडवा बस स्टैंड पर ट्रैवल एजेंसियों का अतिक्रमण हटाया

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • खंडवा नगर निगम के अमले ने रविवार को बस स्टैंड क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की हैं। पुलिस की मौजूदगी में जेसीबी मशीनों से ओटलों को तोड़ा गया। इस दौरान एक दर्जन दुकानों के बाहर से पक्का और टीनशैड का अतिक्रमण तोड़ा गया। मलबे और सामान को ट्रक में भरने के दौरान निगम अमले को विरोध का सामना भी करना पड़ा। बता दें कि, इन ओटलों के नीचे सरकारी नाला दबा हुआ था। बारिश में पानी निकासी की आफत होती, इससे पहले कार्रवाई को अंजाम दिया गया। कार्रवाई के दौरान हनी ट्रैवल्स एजेंसी पर कार्यरत महिला कर्मचारियों ने निगम अमले का विरोध किया। चार से पांच महिला कर्मचारी जेसीबी मशीन के आगे खड़ी हो गई। खुद मोबाइल से वीडियो बनाए और यहां तक कि कवरेज कर रहे मीडियाकर्मी और अतिक्रमण हटा रहे निगम कर्मचारियों से बदसलूकी भी की। हनी ट्रैवल्स का ओटला और छज्जा दोनों तोड़ा गया। आगे गीत ट्रैवल्स और आर्या बस सर्विस तक पक्के ओटलों को हटाया गया।

कलेक्टर ने समग्र शिक्षा अभियान के 15 प्रमुख बिंदुओं की प्रगति की समीक्षा की

दैनिक इंदौर संकेत

धार • भारत सरकार के प्रगति पोर्टल पर प्रविष्टि हेतु समग्र शिक्षा अभियान से संबंधित 15 प्रमुख बिंदुओं की समीक्षा बैठक कलेक्टर राजीव रंजन मीना की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक, बीईओ, बीआरसी तथा विभिन्न शाखाओं के नोडल अधिकारियों ने भाग लिया।बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर तक उन्नयन, माध्यमिक स्तर पर सकल नामांकन अनुपात, राज्य मुक्त विद्यालय एवं एनआईओएस में नामांकन, निधियों के समयबद्ध उपयोग, बालिकाओं हेतु पृथक शौचालय एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता, शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई), व्यावसायिक शिक्षा, शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात, समग्र प्रगति कार्ड (होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड), विद्यार्थियों के सीखने के प्रतिफल, अपार आईडी निर्माण, डिजिटल संसाधनों सहित समग्र शिक्षा अभियान के सभी 15 प्रमुख बिंदुओं की विभागवार विस्तृत समीक्षा की।

सिंधु ने लगन और प्रतिभा से रचा ओलंपिक का स्वर्णिम इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी) • पीवी सिंधु ने भारतीय खेल इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज कराया है। वह ओलंपिक में दो व्यक्तिगत पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट हैं, यह एक ऐसा कारनामा है जो उनकी अद्वितीय प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। 5 जुलाई, 1995 को हैदराबाद में जन्मी सिंधु को बचपन से ही खेलों का माहौल मिला। उनके माता-पिता खुद वॉलीबॉल खिलाड़ी थे, जिन्होंने अपनी बेटी को हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। हालांकि, सिंधु की प्रेरणा का मुख्य स्रोत 2001 में पुलेला गोपीचंद की ऐतिहासिक इंग्लैंड ओपन जीत बनी, जिसने उन्हें बैडमिंटन का रैकेट थामने के लिए प्रेरित किया।

महज 8 साल की उम्र में सिंधु ने बैडमिंटन रैकेट थामा और जल्द ही खेल के प्रति उनकी लगन स्पष्ट हो गई। उन्होंने गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में दाखिला लिया, जहाँ उन्होंने इस खेल की बारीकियों को सीखा। अपनी ट्रेनिंग के प्रति पूरी तरह समर्पित सिंधु ने लंबे समय तक मोबाइल फोन से भी दूरी बनाए रखी, यह दर्शाता है कि वह अपने लक्ष्यों के प्रति कितनी गंभीर थीं। उनकी इस

कड़ी मेहनत और लगन ने उन्हें बैडमिंटन में एक के बाद एक उपलब्धियों को हासिल करने में मदद की।

राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद, सिंधु ने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी अपनी छाप छोड़ी। 16 साल की उम्र में उन्होंने 2011 में मालदीव इंटरनेशनल चैलेंज का खिताब जीता। इसके बाद 2012 में एशियन जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और 2013 में मलेशिया ओपन ग्रैंड प्रिक्स का खिताब उनके नाम रहा, जो उनके उज्ज्वल भविष्य का संकेत था। 2016 का साल सिंधु के करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जब उन्होंने चाइना ओपन का खिताब जीता और उसी वर्ष रियो ओलंपिक में रजत पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया। इसके बाद 2019 में विश्व चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर उन्होंने इतिहास रचा, जहाँ उनकी शानदार जीत ने उन्हें विश्व चैंपियन का दर्जा दिलाया। 2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के बाद, टोक्यो ओलंपिक 2020 में उन्होंने कांस्य पदक जीतकर अपनी ऐतिहासिक उपलब्धि को दोहराया। इस पदक के साथ, वह ओलंपिक में दो व्यक्तिगत पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं, जो भारतीय खेलों के लिए एक अविस्मरणीय क्षण था। बैडमिंटन के खेल में उनके अमूल्य योगदान के लिए, सिंधु को कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया है। 2013 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार, 2016 में राजीव गांधी खेल रत्न (अब मेजर ध्यानचंद खेल रत्न) और 2020 में देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। पीवी सिंधु की यह यात्रा प्रेरणा, कड़ी मेहनत और अटूट दृढ़ संकल्प की कहानी है, जो उन्हें भारत की सबसे महान एथलीटों में से एक बनाती है।

अदाकारी और मजबूत व्यक्तित्व से अलग पहचान बनाई उर्वशी ने

मुंबई (एजेंसी) • धारावाहिकों में विलेन के किरदार निभाने वाले नामों में एक प्रमुख नाम उर्वशी ढोलकिया का है। उर्वशी ढोलकिया एक टेलीविजन और फिल्म अभिनेत्री हैं, जिन्होंने अपनी अदाकारी और मजबूत व्यक्तित्व से अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उर्वशी ने अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत महज 6 वर्ष की उम्र में लक्स साबुन के एक विज्ञापन से की थी, जिससे उनकी प्रतिभा बचपन में ही उजागर हो गई थी। हालांकि, छोटी उम्र में ही उन्होंने जीवन के कई उतार-चढ़ाव को देखा। उर्वशी ने महज 16 वर्ष की उम्र में शादी कर ली और 17 वर्ष की उम्र में वह जुड़वां बेटों, क्षितिज और सागर, की मां बनीं। इतनी कम उम्र में शादी और फिर मां बनने के बाद, उनकी जिंदगी में मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब विवाह के मात्र डेढ़ वर्ष बाद उनका तलाक हो गया। तलाक के बाद उर्वशी को कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा। समाज का दबाव, वित्तीय अस्थिरता और अकेले दो बच्चों की परवरिश करना उनके लिए एक कठिन संघर्ष था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। मुश्किल दौर से सीख लेते हुए, उन्होंने एक सिंगल मदर के रूप में अपने दोनों बेटों की सफलतापूर्वक परवरिश की और अपने करियर पर भी ध्यान केंद्रित किया।

स्विट्जरलैंड को 3-1 हराकर अर्जेंटीना सेमीफाइनल में पहुंचा

कैनसास सिटी (एजेंसी) • एलेक्सिस मैक एलिस्टर, जूलियन अल्वारेज और लौटारो मार्टिनेज के एक-एक गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने रविवार को फीफा विश्वकप के क्वार्टरफाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से शिकस्त देते हुए टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने 10वें मिनट में अर्जेंटीना के लिए शुरुआती गोल किया। दूसरे हाफ में स्विट्जरलैंड की टीम ने अर्जेंटीना की रक्षा पंक्ति पर लगातार दबाव बनाया।

मैच के 67वें मिनट में डैन एनडॉय ने रिकार्डो रोड्रिगेज के साथ एक बेहतरीन वन-टू पास कॉम्बिनेशन बनाया और गेंद को गोल पोस्ट में डालकर स्विट्जरलैंड को 1-1 की बराबरी पर ला खड़ा किया। 72वें मिनट में स्विट्जरलैंड के स्टार फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को जानबूझकर गिरने के लिए वीएआर की जांच के बाद दूसरा येलो कार्ड दिखाया गया और मैदान से बाहर भेज दिया गया। जिससे स्विस टीम दस खिलाड़ियों पर सिमट गई। लेकिन वे अतिरिक्त समय तक डटे रहे और ऐसा लग रहा था कि मैच पेनल्टी तक जाएगा, इस दौरान जूलियन अल्वारेज ने 112वें मिनट में शानदार गोल करके अर्जेंटीना को बढ़त दिला दी और 121वें मिनट में लौटारो मार्टिनेज ने गोल करके जीत पर मुहर लगा दी। अर्जेंटीना ने दसवें मिनट में बढ़त बनाई, जब लियोनेल मेसी के कॉर्नर

किक को एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने नेट में पहुंचा दिया। यह वर्ल्ड कप में मेसी का दसवां असिस्ट था, जो 1966 के बाद से किसी भी खिलाड़ी द्वारा सबसे ज़्यादा है। इस जीत के साथ अर्जेंटीना 15 जुलाई को सेमीफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा।

'रक्तांचल' सीजन 3 का ट्रेलर रिलीज, विजय सिंह के दमदार अंदाज में लौटे क्रांति प्रकाश झा

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेता क्रांति प्रकाश झा अभिनीत चर्चित वेब सीरीज रक्तांचल के तीसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में एक बार फिर विजय सिंह के किरदार में क्रांति प्रकाश झा का दमदार और आक्रामक अंदाज देखने को मिल रहा है, जिसे सोशल मीडिया पर दर्शकों का सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है। पूर्वांचल की पृष्ठभूमि पर आधारित इस क्राइम-थ्रिलर सीरीज के ट्रेलर में सत्ता, राजनीति और गैंगवार की कहानी को नए मोड़ के साथ प्रस्तुत किया गया है। ट्रेलर में क्रांति प्रकाश झा का प्रभावशाली स्क्रीन प्रेजेंस

और संवाद अदायगी दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर रही है। बिहार के बेगूसराय के रहने वाले क्रांति प्रकाश झा ने विजय सिंह के किरदार से ओटीटी पर अपनी अलग पहचान बनाई है। सोशल मीडिया पर प्रशंसक उन्हें लल्ला के रूप में याद करते हुए उनकी वापसी का स्वागत कर रहे हैं। क्रांति प्रकाश झा को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म मिथिला मखान से पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने देसवा, वन्स अपॉन ए टाइम इन बिहार और एमएस धोनी जैसी फिल्मों में अभिनय किया। रक्तांचल के दोनों सीजन में उनके अभिनय को दर्शकों ने सराहा है। रक्तांचल सीजन 3 जुलाई में अमेजन् पर रिलीज होने वाली है।

उज्जैन संभाग

महाकाल सवारी को लेकर कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

श्रावण-भादौ की तैयारियों के लिए 20 तक निर्माण कार्य पूरे करने को कहा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन में श्रावण-भादौ मास के दौरान निकलने वाली भगवान श्री महाकालेश्वर की विश्व प्रसिद्ध पारंपरिक सवारी और नागपंचमी पर्व को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है।

रविवार को श्री महाकाल मंदिर परिसर स्थित सभाकक्ष में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने की। बैठक में पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, नगर निगम आयुक्त और मंदिर प्रशासक सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ

अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि श्रावण मास 30 जुलाई से प्रारंभ होगा और धार्मिक आयोजन 7 सितंबर तक चलेंगे। इस अवधि में भगवान महाकाल की पारंपरिक सवारी प्रत्येक सोमवार को निकाली जाएगी। वर्तमान में प्रतिदिन लगभग एक से डेढ़ लाख श्रद्धालु महाकाल मंदिर पहुंच रहे हैं, जबकि श्रावण मास में यह संख्या कई गुना बढ़ने की संभावना है।

महाकाल सवारी व्यवस्था में महापौर ने सुझाया बदलाव

कलेक्टर को लिखा पत्र, कहा- भगवान की एक झलक पाने में होती है कठिनाई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन के महापौर मुकेश टटवाल ने श्रावण मास में निकलने वाली भगवान महाकाल की शाही सवारी की व्यवस्था में सुधार के लिए सुझाव दिए हैं। उन्होंने इस संबंध में जिला कलेक्टर और महाकाल मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष को एक विस्तृत पत्र भेजा है।

महापौर ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि महाकाल की सवारी के दर्शन के लिए देशभर से लाखों श्रद्धालु उज्जैन आते हैं। हालांकि, पालकी के आसपास पुजारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों,

समाजसेवियों और अन्य प्रभावशाली लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी के कारण आम श्रद्धालुओं को भगवान की एक झलक पाने में कठिनाई होती है।

टटवाल ने सुझाव दिया है कि पुलिस द्वारा पालकी के चारों ओर एक चौड़ा और सख्त सुरक्षा घेरा बनाया जाए। इसका उद्देश्य अनावश्यक भीड़ को पालकी के पास आने से रोकना है। उन्होंने कहा कि पालकी के बिल्कुल करीब केवल उन्हीं लोगों को अनुमति मिलनी चाहिए जिनकी धार्मिक या प्रशासनिक रूप से वास्तविक आवश्यकता हो। महापौर ने यह भी प्रस्ताव दिया है कि पालकी के दोनों ओर केवल दो-दो पुजारियों को ही रहने की अनुमति दी जाए। ये पुजारी पूजा-अर्चना और धार्मिक व्यवस्थाओं का संचालन करेंगे। इनके अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को पालकी के सुरक्षा घेरे के भीतर प्रवेश की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

MBBS सीट दिलाने के नाम पर 4.25 लाख की ठगी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन पुलिस ने मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस सीट दिलाने के नाम पर लाखों रुपए की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय से ट्रांजिट रिमांड पर शनिवार को उज्जैन लाया गया। उससे फिलहाल पूछताछ की जा रही है। आरोपी ने एक व्यक्ति से ?4.25 लाख की धोखाधड़ी की थी। थाना नीलगंगा पुलिस ने तकनीकी जांच और साइबर सेल की मदद से आरोपी तक पहुंच बनाई।

पुलिस के अनुसार, मंच्छामन चौराहा निवासी सतीश चंद्र पटेल ने 17 फरवरी को थाना नीलगंगा में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनके पुत्र के एमबीबीएस प्रवेश के संबंध में एक व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया। आरोपी ने स्वयं को कटिहार मेडिकल कॉलेज, बिहार का प्राचार्य बताते हुए कॉलेज में सीट खाली होने का दावा किया और प्रवेश दिलाने का आश्वासन दिया।

विश्वास दिलाने के लिए आरोपी ने फरियादी से शैक्षणिक और पहचान संबंधी दस्तावेज मंगवाए। इसके बाद सीट बुकिंग और प्रवेश प्रक्रिया के नाम पर 15 फरवरी से 17 फरवरी 2026 के बीच अलग-अलग बैंक खातों में कुल 4,25,000 ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। राशि मिलने के बाद आरोपी ने व्हाट्सएप के माध्यम से एनएमसी के नाम से फर्जी पत्र, सीट आवंटन पत्र और अन्य कूटरचित दस्तावेज भेज दिए। बाद में, जब फरियादी कटिहार मेडिकल कॉलेज पहुंचे, तो वहां के वास्तविक प्राचार्य ने बताया कि संबंधित मोबाइल नंबर उनका नहीं है, कॉलेज में कोई सीट रिक्त नहीं थी और उनके नाम से भेजे गए सभी दस्तावेज फर्जी हैं। इसके बाद पीड़ित ने उज्जैन लौटकर थाना नीलगंगा में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया।

सम्राट विक्रम विश्वविद्यालय में 50 बिस्तरी आयुष अस्पताल

आयुर्वेद-पंचकर्म वेलनेस सेंटर सहित मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन दक्षिण क्षेत्र के निवासियों और सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के छात्रों को जल्द ही एक नई स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी। विश्वविद्यालय परिसर में 50 बिस्तरी आयुष चिकित्सालय का निर्माण किया जाएगा।

यह अस्पताल आयुर्वेद, पंचकर्म वेलनेस सेंटर, ओपीडी और आईपीडी जैसी आधुनिक सुविधाएं प्रदान करेगा। यह प्रदेश का पहला आयुष अस्पताल होगा जो किसी विश्वविद्यालय परिसर के भीतर संचालित होगा।

इस पहल से उज्जैन दक्षिण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने अस्पताल निर्माण के लिए आयुष विभाग को लगभग दो एकड़ भूमि उपलब्ध कराने के

प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। दोनों संस्थाओं के बीच इस संबंध में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी हो चुके हैं।

कुलपति प्रो. अर्पण भारद्वाज ने बताया कि यह निर्णय मुख्यमंत्री के निर्देश और कार्य परिषद की सहमति के बाद लिया गया है। अस्पताल के निर्माण से विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले 800 से अधिक छात्र-छात्राओं, कर्मचारियों और आसपास के नागरिकों को 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह प्रदेश का पहला आयुष चिकित्सालय होगा जो किसी विश्वविद्यालय परिसर के भीतर स्थापित और संचालित होगा।

उज्जैन-इंदौर रूट-3 बसों में पूरा हुआ 55KM का सफर

पहले आधा किमी में लगे 15 मिनट फिर 30 किमी की दूरी 20 मिनट में पूरी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन में 6 जुलाई की रात को एक तेज रफ्तार बस ने सड़क पर बैठी 2 गायों को कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना पिपराई क्षेत्र के बलराज ढाबे के पास हुई थी। बस इंदौर से उज्जैन आ रही थी। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने पहले बस में पथराव किया। फिर उसमें आग लगा दी।

घटना के बाद उज्जैन-इंदौर रूट पर निजी बसों की तेज रफ्तार, लापरवाही और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। यह पहली बार नहीं था, जब इस रूट पर चलने वाली बसों को लेकर विवाद सामने आया हो।

इससे पहले भी विधायक से जुड़ी बसें दुर्घटनाओं और तेज रफ्तार को लेकर चर्चा में रही हैं। टीम ने उज्जैन से इंदौर और इंदौर से उज्जैन तक दोनों तरफ 110 किमी का सफर बस में तय किया। इस दौरान बेलगाम स्पीड, लापरवाही से ड्राइविंग और मनमानी सामने आई। यहां यात्रियों की संख्या कम होने का हवाला देकर सभी को दूसरी बस में शिफ्ट कर दिया गया। 10 से ज्यादा यात्री दूसरी बस में शिफ्ट कर दिए गए। उस बस में पहुंचने पर एसी बंद मिला। एसी के पैनल से लगातार पानी टपक रहा था और नीचे पानी इकट्ठा करने के लिए बाल्टियां रखी गई थीं। कुछ देर बाद यात्रियों को वहां से भी हटाकर तीसरी बस में शिफ्ट कर दिया गया।

आगे बस तीसरी बस जैसे ही सिक्स लेन हाईवे पर पहुंची, उसकी रफ्तार तेजी से बढ़ने लगी। स्पीड लगातार 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे के बीच बनी रही। इसी दौरान साथ चल रही दूसरी निजी बसों के बीच ओवरटेक की होड़ भी देखने को मिली। कई बार बसें बेहद कम दूरी से एक-दूसरे को ओवरटेक करती नजर आईं।

महू/इंदौर। कल रविवार का दिन अवकाश होने की वजह से पाताल पानी पर सैलानियों का हुजूम नजर आया।

इंदौर एयरपोर्ट पर यूनिसेफ के नाम पर 'चंदा वसूली' का आरोप

यात्री ने सोशल मीडिया पर उड्डयन मंत्री से की शिकायत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट पर यूनिसेफ के नाम पर यात्रियों से चंदा मांगे जाने का मामला सोशल मीडिया पर सामने आया है।

एक यात्री ने आरोप लगाया है कि एयरपोर्ट परिसर में मौजूद प्रतिनिधि यात्रियों पर न्यूनतम 500 रुपये प्रतिमाह दान देने का दबाव बना रहा था। शिकायत केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) और एयरपोर्ट प्रबंधन तक पहुंचने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार यात्री चिराग शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि एयरपोर्ट पर यूनिसेफ के नाम पर मौजूद प्रतिनिधि ने उनसे हर महीने कम से कम 500 रुपये दान देने का आग्रह किया। उन्होंने इसे यात्रियों के लिए असहज स्थिति बताते हुए पूरे मामले की जांच कराने और ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की। शिकायत सामने आने के बाद एयरपोर्ट प्रबंधन ने जवाब देते हुए कहा कि मामले को सत्यापन के लिए संबंधित यूनिसेफ टीम के पास भेज दिया गया है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कॉकरोच जनता पार्टी प्रमुख दीपके की इंदौर आंदोलन में एंट्री

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नीट पेपर लीक के खिलाफ इंदौर के टंट्या मामा चौराहे पर 11 दिन से धरना जारी है। कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दीपके ने वीडियो कॉल कर प्रदर्शनकारियों को अपना समर्थन दिया।

कॉकरोच जनता पार्टी बनाकर चर्चा में आए अभिजीत दीपके अब इंदौर में भी आंदोलन को समर्थन दे रहे हैं। नीट पेपर लीक को लेकर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा जा रहा है।

इसके लिए इंदौर में भी टंट्या मामा चौराहे पर 11 दिन से अनिश्चितकालीन प्रदर्शन चल रहा है। इस प्रदर्शन को समथर्न देते हुए दीपके ने आंदोलनकारियों को वीडियो काल किया है। जयस के छात्र संगठन द्वारा यह आंदोलन किया जा रहा है। पवन अहिरवार ने बताया कि दीपके ने काल कर आंदोलनकारियों से बात की है। वीडियो कॉल के माध्यम से आंदोलनरत छात्रों से बातचीत कर उनके संघर्ष का समर्थन किया। उन्होंने आंदोलन की वर्तमान स्थिति एवं छात्रों का हालचाल जाना और सराहना की।

वीडियो कॉल के दौरान अभिजीत ने कहा कि छात्रों की न्यायसंगत मांगों का वे पूर्ण समर्थन करते हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि 14 जुलाई को इंदौर में आयोजित होने वाले महाआंदोलन में उनके शामिल होने की पूरी संभावना है तथा वे आंदोलन को अपना सहयोग देंगे। उन्होंने सभी छात्र-युवाओं एवं सामाजिक संगठनों से 14 जुलाई के महाआंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर छात्रों की आवाज़ बुलंद करने की अपील की। इस अनोखी कॉकरोच जनता पार्टी के पीछे अभिजीत दिपके का दिमाग है। अभिजीत पहले भी राजनीतिक अभियानों का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने साल 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी (क्क) के लिए सोशल मीडिया कैंपेनिंग का काम संभाला था। डिजिटल ट्रेंड्स को समझने की उनकी इसी कला ने ष्टछ्क को रातों-रात इंटरनेट पर वायरल कर दिया।

स्मार्ट सिटी में पैर पसारता जा रहा है एमडी ड्रग्स और नशे का कारोबार

■ तीन मामलों में 80 ग्राम से ज्यादा खतरनाक ड्रग्स हुई जब्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में एमडी ड्रग्स के मामले जिस तरह पकड़े जा रहे हैं उससे ऐसा लगता है कि स्मार्ट सिटी में एमडी ड्रग्स के आदी लगातार बढते जा रहे हैं। पुलिस ने तीन मामलों में 80 ग्राम से ज्यादा बेहद खतरनाक एमडी ड्रग्स बरामद की है।

आगर मालवा का सप्लायर गिरफ्तार : पुलिस ने दो पैडलर्स को एमडी ड्रग्स के साथ पकड़कर रिमांड पर लिया तो उसने आगर-मालवा के सप्लायर का नाम कबूला। पुलिस ने तीनों आरोपियों से कुल 47.87 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की है।

ड्रग्स सप्लाय में उपयोग की जाने वाली कार भी पुलिस ने जब्त कर ली है। 5 जुलाई की रात को कनाड़िया पुलिस द्वारा साजिद कुरैशी, इलियास कॉलोनी खजराना तथा इसराइल पटेल, न्यू हीना पैलेस कालोनी खजराना से 5.60 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की थी। ये कार में ड्रग्स की डिलेवरी देने वाले थे। आरोपियों से ड्रग्स के स्त्रोत के बारे मे पूछताछ की गई तो आरोपियों ने बताया गया कि आगर मालवा निवासी दानिश कुरैशी से एमडी ड्रग खरीदते हैं। आरोपियों की निशादेही पर आरोपी दानिश कुरैशी, आगर मालवा को पकड़ा तो उसके पास से भी 42.18 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई।

इंदौर समेत 9 स्टेशनों के पूछताछ केंद्र अब निजी एजेंसी चलाएगी

■ 20 जुलाई से लागू होगी व्यवस्था, पश्चिम रेलवे का पहला मंडल बना रतलाम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पश्चिम रेलवे का रतलाम मंडल 20 जुलाई से यात्रियों की पूछताछ सेवा को नई व्यवस्था के तहत संचालित करेगा। इंदौर सहित मंडल के नौ प्रमुख रेलवे स्टेशनों के 10 पूछताछ काउंटर अब निजी एजेंसी के जरिए 24 घंटे संचालित होंगे। इस पहल के साथ रतलाम मंडल पश्चिम रेलवे का पहला मंडल बन जाएगा, जिसने पूछताछ केंद्रों के संचालन को आउटसोर्स किया है। अभी इन काउंटरों पर टिकट चेकिंग और रिजर्वेशन कैडर के 37 रेल कर्मचारी तैनात हैं। चूंकि टिकट जांच स्टाफ के कई पद खाली हैं, इसलिए इन कर्मचारियों को अब उनकी मूल जिम्मेदारियों में लगाया जाएगा। पीआरओ मुकेश कुमार ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, नागदा, दाहोद, नीमच, चित्तौड़गढ़ और डॉ. आंबेडकर नगर स्टेशन पर हैदराबाद की मेगा कंस्ट्रक्शन कंपनी पूछताछ केंद्रों का संचालन करेगी। एजेंसी का चयन निविदा प्रक्रिया के बाद कर लिया गया है और कर्मचारियों को कार्य शुरू करने से पहले रेलवे की प्रक्रियाओं, यात्री सहायता और पूछताछ संचालन का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

खस्ताहाल सरकारी स्कूलों पर चलाया जाएगा बुलडोजर

■ 40 से ज्यादा स्कूलों की सूची तैयार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आर्थिक तंगी के कारण लंबे समय से ठप पड़ी नगर निगम की सरकारी स्कूलों के पुनर्निर्माण की योजना अब फिर रफ्तार पकड़ने जा रही है। 40 से अधिक जर्जर और खस्ताहाल सरकारी स्कूलों को चिह्नित कर उनके पुराने भवनों को तोड़कर नए स्कूल भवन बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। निगम ने इसके लिए सर्वे और प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया तेज की है, जबकि जल्द ही टेंडर जारी किए जाएंगे।

नगर निगम के शाला प्रकोष्ठ के माध्यम से पहले चरण में ऐसे स्कूलों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनके भवन खतरनाक स्थिति में पहुंच चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार कई स्कूलों में सिर्फ मरम्मत और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की जरूरत है, जबकि कई जगह पूरी इमारतें नए सिरे से बनाई जाएंगी। इससे पहले नगर निगम ने बड़ा गणपति, गाड़ी अड्डा, एरोड्रम और हवा बंगला सहित कई क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों के नए भवनों का निर्माण शुरू कराया था। हालांकि पिछले डेढ़ से दो वर्षों में आर्थिक संकट और अन्य प्रशासनिक कारणों के चलते यह अभियान लगभग ठप पड़ गया था। अब निगम ने इसे दोबारा शुरू करने का फैसला लिया है। अधिकारियों का कहना है कि मध्य क्षेत्र सहित शहर की विभिन्न कॉलोनियों में स्थित 40 से ज्यादा सरकारी स्कूलों की सूची तैयार की गई है। सर्वे के बाद जिन भवनों को असुरक्षित पाया गया है, उन्हें हटाकर नए भवन बनाए जाएंगे। वहीं जिन स्कूलों की इमारतें सुरक्षित हैं, वहां मरम्मत, अतिरिक्त कक्ष, शौचालय, सुविधाघर और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

नगर निगम का नया डिजिटल प्लान तैयार, आसमान से रखेंगे नजर

पुरानी-नई सैटेलाइट तस्वीरों की तुलना से तुरंत पकड़ में आएंगे अवैध निर्माण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में बिना अनुमति बनने वाली इमारतें और अवैध कॉलोनियां अब ज्यादा दिनों तक छिप नहीं सकेंगी। नगर निगम ने ऐसी व्यवस्था तैयार कर ली है, जिसमें सैटेलाइट इमेज ही अवैध निर्माण की गवाही देंगी। यानी किसी इलाके में नया निर्माण शुरू होते ही उसकी तुलना पुरानी सैटेलाइट तस्वीरों से की जाएगी और यदि निर्माण नियमों के विपरीत मिला तो अधिकारियों के पास कार्रवाई का आधार तुरंत मौजूद होगा।

नगर निगम ने इसके लिए प्रॉपर्टी इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम (पीआईएमएस) पोर्टल विकसित कराया है। यह पोर्टल सिर्फ नक्शे देखने का माध्यम नहीं होगा, बल्कि शहर में हो रहे हर बड़े निर्माण पर डिजिटल निगरानी रखेगा। निगम का दावा है कि इससे अवैध कॉलोनियों और बिना अनुमति बनने वाले भवनों पर शुरुआती स्तर पर ही अंकुश लगाया जा सकेगा।

अब तक निगम को अधिकांश मामलों में शिकायत मिलने या मौके पर निरीक्षण के बाद कार्रवाई करनी पड़ती थी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अधिकारियों को किसी शिकायत का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सैटेलाइट इमेज और जीआईएस तकनीक के जरिए यह पता चल जाएगा कि किस क्षेत्र में नया निर्माण शुरू हुआ है और वह स्वीकृत है या नहीं। पोर्टल में जनवरी 2023 से अब तक शहर में हुए निर्माण कार्यों का डेटा और सैटेलाइट इमेज अपलोड की गई हैं। इससे किसी भी भवन की वर्तमान स्थिति की तुलना पुराने रिकॉर्ड से आसानी से की जा सकेगी।

स्वामित्व योजना में बड़ी चूक से बढ़ी चिंता, अधूरे अधिकार पत्रों से हजारों ग्रामीणों की रजिस्ट्री पर संकट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण परिवारों को आबादी भूमि का कानूनी स्वामित्व देने की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच रही है, लेकिन इंदौर जिले में सामने आई गंभीर खामियों ने इस पूरी कवायद पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ड्रोन सर्वे, ग्राउंड ट्रुथिंग और दावे-आपत्ति जैसी प्रक्रियाओं के बावजूद बड़ी संख्या में जारी किए गए स्वामित्व अधिकार पत्रों और कम्प्यूटरीकृत खसरों में संपत्ति धारकों की जानकारी अधूरी दर्ज होने से भविष्य में रजिस्ट्री, स्वामित्व विवाद और कानूनी प्रक्रियाओं में बड़ी परेशानियां आने की आशंका जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते इन त्रुटियों का सुधार नहीं किया गया तो सरकार की यह महत्वपूर्ण योजना ग्रामीणों को राहत देने के बजाय नए विवादों का कारण बन सकती है।

स्वामित्व योजना का उद्देश्य गांवों की आबादी भूमि पर वर्षों से निवास कर रहे परिवारों को कानूनी रूप से संपत्ति का मालिकाना हक प्रदान करना है। इसके लिए ड्रोन तकनीक के माध्यम से गांवों का विस्तृत सर्वे कराया गया, नक्शे तैयार किए गए और प्रत्येक संपत्ति का रिकॉर्ड डिजिटल स्वरूप में दर्ज किया गया। इसके बाद ग्राउंड ट्रुथिंग और दावे-आपत्ति की प्रक्रिया भी पूरी कराई गई, ताकि रिकॉर्ड में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे। लेकिन इंदौर जिले में सामने आए मामलों से पता चला है कि अनेक अधिकार पत्रों में केवल संपत्ति धारक का नाम दर्ज है, जबकि पिता का नाम, पति का नाम, उपनाम, पूरा पता और अन्य आवश्यक पहचान संबंधी विवरण दर्ज ही नहीं किए गए हैं।

जानकारों का कहना है कि किसी भी संपत्ति संबंधी दस्तावेज में व्यक्ति की स्पष्ट पहचान सबसे महत्वपूर्ण होती है। यदि केवल नाम लिखा हो और अन्य पहचान संबंधी विवरण न हों, तो भविष्य में वास्तविक स्वामी की पहचान करना कठिन हो सकता है। यही स्थिति रजिस्ट्री के दौरान सबसे बड़ी चुनौती बन सकती है, क्योंकि आधार कार्ड, समग्र आईडी या अन्य दस्तावेजों से मिलान करने में भी कठिनाई आएगी। ऐसी स्थिति में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा गलत तरीके से संपत्ति पर दावा करने या दस्तावेजों का दुरुपयोग करने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

जानकारी के अनुसार इंदौर जिले में स्वामित्व योजना के तहत कुल 522 गांवों में सर्वे का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इनमें 541 गांवों में सर्वे का कार्य पूरा बताया गया है, जबकि शेष गांवों में प्रक्रिया जारी है। हालांकि सर्वे पूरा होने और अधिकार पत्र जारी होने के बावजूद रिकॉर्ड में कई प्रकार की विसंगतियां सामने आ रही हैं। कई गांवों में एक ही परिवार की अलग-अलग संपत्तियों को एक साथ दर्ज कर दिया गया है, तो कहीं दो भाइयों की संयुक्त संपत्ति में केवल एक सदस्य का नाम दर्ज है। कई ऐसे परिवार भी सामने आए हैं जिनके सदस्य शहरों में रहते हैं, लेकिन उनका नाम रिकॉर्ड में शामिल ही नहीं किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।